संपादकीय
पश्चिम बंगाल चुनाव पर बेबाक बोल : परिवर्तन पंथी

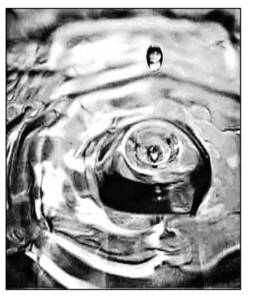

राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 4
पृष्ठ : 8
शनिवार 16-30 अप्रैल 2016
मूल्य : ₹2.00
हिन्दी पाक्षिक

स्वास्थ्य जगत : हाइड्रोपैथी में पानी के जरिए होता है रोगों का उपचार ...
धर्म आस्था : ...आज भी अश्वत्थामा करता है इस मंदिर में सबसे पहले पूजा

फरीदाबाद
आर.एन.आई. नं. HARHIN/2012/41589
संपादक मनोज भारद्वाज

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में द्वस्द्वस् आतंकियों ने प्रोफेसर की गला रेतकर हत्या की

ढाका। पश्चिमोत्तर बांग्लादेश में आईएसआईएस के आतंकवादियों ने शनिवार को अंग्रेजी के एक प्रोफेसर की उनके घर के पास उस समय हत्या कर दी जब वह अपने विश्वविद्यालय जा रहे थे। मुस्लिम बहुल देश में ब्लॉगरों, बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं पर

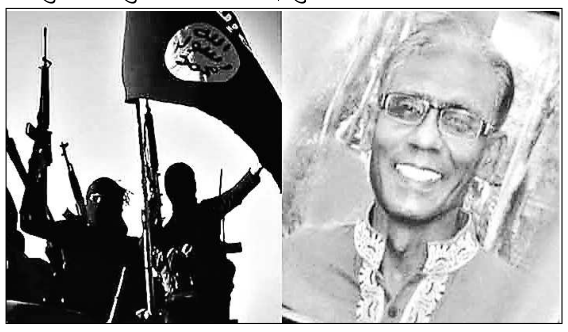

हुए बर्बर हमलों की श्रृंखला में यह ताजा घटना है। पुलिस ने बताया कि राजशाही शहर में राजशाही विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एएफएम रेजाउल करीम सिद्दीकी (58) पर उनके आवास से करीब 50 मीटर दूर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने हमला किया और धारदार हथियार से उनका गला रेत दिया। स्थानीय थाना प्रभारी शहादत हुसैन ने बताया, %सुबह करीब साढ़े सात बजे हमलावरों ने प्रोफेसर पर पीछे से धारदार हथियारों से उस समय वार किया जब वह अपने घर से पैदल विश्वविद्यालय परिसर की ओर जा रहे थे।% उन्होंने बताया कि अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर की तत्काल मौत हो गई और उनकी मौत के बाद हमलावर घटनास्थल से फरार हो गये।

अमेरिका स्थित निजी खुफिया सेवा समूह एसआईटीई ने कहा कि इस्लामिक स्टेट ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। उसने एक ट्वीट में कहा कि आईएसआईएस की एजेंसी अमग ने राजशाही विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की हत्या के लिए समूह की जिम्मेदारी की रिपोर्ट दी है। इसके पहले राजशाही के पुलिस आयुक्त मोहम्मद शम्सुद्दीन ने घटनास्थल पर संवाददाताओं को बताया कि हत्या के तरीके से लगता है कि यह इस्लामी आतंकवादियों का काम हो सकता है। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर के गर्दन पर कम से कम तीन बार हमला किया गया।

उन्होंने बताया कि हमले की प्रकृति से ऐसा प्रतीत होता है कि यह अतिवादी संगठनों का काम है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस बीच, विश्वविद्यालय के नाराज शिक्षकों और छात्रों ने अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग को लेकर विश्वद्यािलय परिसर में रैली निकाली। पिछले वर्ष चार प्रख्यात धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगरों की हत्या कर दी गई थी।

'संघमुक्त भारत' के आह्वान पर नीतीश कुमार का फिर उड़ा मजाक, शाहनवाज हुसैन ने ली चुटकी

कोलकाता । बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष 'संघमुक्त भारत' बनाने के लिए गैर-भाजपा दलों के साथ आने की उनकी अपील का भाजपा ने मजाक बनाया। बीजेपी नेता कहा कि

नीतीश को निशाने पर लेते हुए कहा कि जेडीयू अध्यक्ष दिन में सपने देख रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन ने कहा, %नीतीश कुमार के 'संघमुक्त भारत' का आह्वान करने की कोई विश्वसनीयता नहीं है क्योंकि वह खुद ही कई सालों तक भाजपायुक्त थे।% कुमार पर अपना हमला तेज करते हुए हुसैन ने इस बयान को क्षेत्रीय दल के नेता होने के बावजूद खुद को सुर्खियों में लाने की कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार का जेडीयू क्षेत्रीय दल है। जिसने बिहार में कभी सभी सीटों पर चुनाव नहीं लड़ा वह राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभाने का सपना देख रहे हैं जो कभी साकार नहीं होगा। भाजपा नेता पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करने आए हुए थे।

आतंकवादी मसूद अजहर की तरह नहीं हैं उइगर नेता डोल्कन ईसा : कांग्रेस

नई दिल्ली । उइगर नेता डोल्कन ईसा को भारत द्वारा वीजा दिए जाने की खबरों पर चीन ने जहां नाराजगी प्रकट की है। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि डोल्कन जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर की तरह आतंकवादी नहीं है। चीन ने डोल्कन ईसा को आतंकवादी घोषित किया है और उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी है।

मीडिया में आई रिपोर्टों में कहा गया है कि भारत ने चीन के अलगाववादी नेता और उइगर समुदाय के प्रतिनिधि डोल्कन ईसा को

वीजा दिया है। हालांकि, भारत सरकार ने कहा है कि वह डोल्कन को वीजा दिया जाने संबंधी मीडिया रिपोर्टों पर तथ्य जुटा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने ईसा को वीजा दिया है और उन्हें धर्मशाला में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। डोल्कन जर्मनी में रहते हैं। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने शनिवार को एएनआई से कहा, अजहर मसूद का मामला एकदम स्पष्ट है। वह एक आतंकवादी है। चीन मसूद मामले में चाल चल रहा है। वह भारत विरोधी गतिविधियों में पाकिस्तान की मदद करना चाहता है। मसूद ने खुले तौर पर भारत विरोधी रवैया अपनाया है। मसूद मान चुका है कि वह भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है।

उत्तराखंड सियासी संकट

विधानसभाध्यक्ष ने हाई कोर्ट से बागी विधायकों की अर्जी खारिज करने की मांग की

नैनीताल। खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ कांग्रेस के नौ विधायकों की उच्च न्यायालय में दायर याचिका को उत्तराखंड विधानसभा के अध्यक्ष ने खारिज करने की मांग करते हुए शनिवार को कहा कि इन सबने दल-बदल कानून का उल्लंघन किया और इसके लिए उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि नौ बागी विधायकों से पूछा जाना चाहिए कि 'भाजपा के पास वे कैसे गए' और क्या 'उन्होंने संविधान की दसवीं अनुसूची का उल्लंघन नहीं किया है।'

वरिष्ठ वकील ने पूछा, 'अगर उन्होंने दसवीं अनुसूची का उल्लंघन किया है तो फिर अयोग्यता पर रोक की मांग वे कैसे कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'वे अयोग्य ठहराने पर रोक लगाने की मांग कैसे कर सकते हैं जब खंडपीठ (उत्तराखंड उच्च न्यायालय) के मुताबिक उन्होंने दल बदल का संवैधानिक अपराध किया है?' सिब्बल ने न्यायमूर्ति यू सी ध्यानी के समक्ष कहा, 'जब वे भाजपा में शामिल हुए और ज्ञापन (मत विभाजन के लिए) हस्ताक्षर किया तो वे जानते थे कि यह अनैतिक और असंवैधानिक है।' नौ विधायकों की अयोग्यता के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के दौरान वह विधानसभा अध्यक्ष का पक्ष रख रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा में शामिल होकर नौ

विधायकों ने 'स्वेच्छा से पार्टी (कांग्रेस) की सदस्यता छोड़ दी है' क्योंकि उन्होंने पार्टी की नीति के खिलाफ वोट दिया और सरकार को गिराने के लिए वोट दिया। सिब्बल ने इस आधार पर उनकी याचिका को खारिज करने की मांग की कि अदालत के समक्ष यह कहकर इन लोगों ने 'फर्जीवाड़ा' किया है कि उन्हें विधानसभा अध्यक्ष द्वारा दस्तावेज नहीं दिए गए। इस आधार पर भी याचिका खारिज करने की मांग की गई कि याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष महत्वपूर्ण तथ्यों का खुलासा नहीं किया जो उनके पास थे और उन्होंने 'अदालतों के अनुक्रम का पालन नहीं किया।'

उन्होंने कहा कि इन तीन आधार पर उच्च न्यायालय को याचिकाकर्ताओं की फाइल पर अनुच्छेद 226 के तहत ध्यान देने की जरूरत नहीं जिसमें उनकी अयोग्यता को चुनौती दी गई है। उन्होंने कहा, 'इन तीन आधार पर गुण-दोष देखे बगैर याचिकाओं को सीधा खारिज कर दिया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि इन नौ लोगों की 'राजनीतिक मंशा' अयोग्यता पर स्थगन हासिल करना था 'ताकि 28 मार्च को शक्ति परीक्षण में वे वोट कर सकें।' सिब्बल ने सवाल किया कि कांग्रेस खरीद-फरोख्त कैसे कर सकती थी जब वह केवल नौ विधायकों को 'वापस लाने का प्रयास' कर रही थी जो भाजपा के खेमे में चले गए थे।

सिब्बल ने कहा, 'भाजपा के साथ सौदा करने के बाद वे (नौ) विधानसभा में गए थे (18 मार्च को)। उन्होंने यह (मत विभाजन) सुबह में योजना बनाई थी।' उन्होंने कहा, 'तो अब हम किस तरह के खरीद फरोख्त की बात कर रहे हैं? 18 मार्च की घटना से पहले भाजपा के खेमे में गए नौ विधायकों की? इसलिए भाजपा खरीद फरोख्त कर सकती है और हम (कांग्रेस) पर अपने विधायकों को वापस लाने का प्रयास करने के लिए खरीद फरोख्त का आरोप लगा रही है।'

शिवसेना नेता की धमकी से बेपरवाह तृप्ति देसाई, कहा–28 अप्रैल को हाजी अली दरगाह जाऊंगी

मुंबई। महाराष्ट्र प्रांत के दो बड़े मंदिरों शनि शिंगणापुर और त्र्यंबकेश्वर मंदिर में महिलाओं के प्रवेश की सफल मुहिम के बाद अब हाजी अली दरगाह के अंदर महिलाओं के प्रवेश को लेकर मुहिम ने जोर पकड़ लिया है। भूमाता ब्रिगेड की प्रमुख तृप्ति देसाई ने शनिवार को कहा कि वह 28 अप्रैल को हाजी अली दरगाह जाएंगी। दरअसल शिवसेना नेता हाजी अराफात ने ऐसा करने पर

तृप्ति को चप्पल से मारने की धमकी दी है। उनकी इस धमकी ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। अराफात ने दरगाह में जाकर मजार पर चादर चढ़ाने की बात करने वाली तृप्ति देसाई और अन्य महिला संगठनों को धमकी देते हुए कहा कि वे इसका पुरजोर विरोध करेंगे। अराफात ने कहा, %तृप्ति देसाई ने कहा है कि वे हाजी अली में जाकर मजार को छूएंगी। हम इसकी घोर निंदा करते हैं, हम ऐसा नहीं होने देंगे।% इतना ही नहीं अराफात ने दरगाह में प्रवेश करने वाली औरतों को चप्पल मारने की बात भी कही है। लैंगिक समानता अधिकार कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने शुक्रवार को त्र्यंबकेश्वर मंदिर गयीं और वहां के प्रसिद्ध शिव मंदिर के पवित्र गर्भगृह में पूजा-अर्चना की। इसे शिव के 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक माना जाता है। त्र्यंबकेश्वर पुलिस थाना के प्रभारी एच पी खोले ने बताया कि देसाई ने अपने तीन सहयोगियों के साथ सुबह छह बजे गर्भगृह में शिवलिंग के दर्शन किए और करीब 15 मिनट वहां रहीं।

लोगों को अब भी 'अच्छे दिन' का इंतजार है : अखिलेश यादव

इलाहाबाद। केंद्र की भाजपा नीत राजग सरकार पर हमला करते हुए मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि लोगों को अब भी 'अच्छे दिन' का इंतजार है जिसका वादा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो वर्ष पहले हुए लोकसभा चुनाव के दौरान किया था। यादव ने कहा, 'उत्तरप्रदेश के लोगों को सावधान रहना चाहिए। भाजपा और बसपा जल्द आपके पास लंबे चौड़े वादे और समाजवादी पार्टी की सरकार के खिलाफ गलत आरोपों के साथ आएंगे क्योंकि वे लोग इसकी लोकप्रियता को लेकर चिंतित हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप लोगों को वर्तमान शासन के तहत हुई अभूतपूर्व प्रगति के बारे में जानकारी हो ताकि आप विपक्षी दलों द्वारा नहीं छले जाएं।' मुख्यमंत्री जिले के दांदुपुर गांव में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे जहां उन्होंने 200 करोड़ रूपये की योजना की शुरूआत भी की। उन्होंने कहा, 'मैं आपसे कहता हूं कि खासकर भाजपा के दुष्प्रचार से सचेत रहें। उन्होंने 2014 में अच्छे दिन के नारे से आपको चित कर दिया और आपके समर्थन से उन्हें हमारे राज्य से सबसे ज्यादा सीट मिली।' यादव ने कहा, 'अब यह पूछने का वक्त आ गया है कि अच्छे दिन कहां हैं। आपको आसपास देखने की जरूरत है और खुद देखें कि क्या आपका स्थानीय भाजपा सांसद अपने क्षेत्र में अच्छे दिन की एक झलक भी ला सका है।'

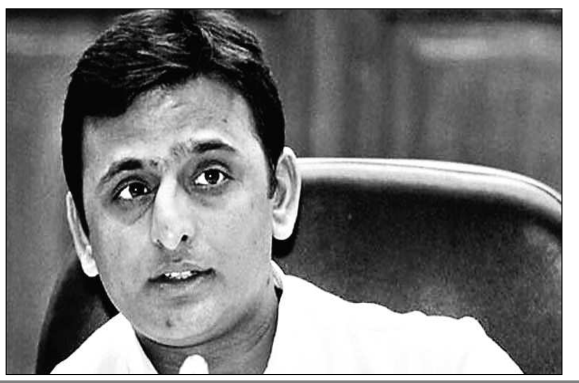

IPL पर एक और मुसीबत, कानपुर में भी दायर हुई याचिका

कानपुर। ग्रीन पार्क में प्रस्तावित आईपीएल के दो मैचों को लेकर एक सामाजिक संस्था ने आज सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत में याचिका दाखिल करके कहा कि कानपुर शहर में पानी की भारी कमी को देखते हुए इन प्रस्तावित मैचों पर रोक लगाई जानी चाहिए। अदालत ने इस मामले की सुनवाई के लिये 25 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। कानपुर के ग्रीन पार्क में 19 मई को गुजरात लॉयन्स और कोलकाता नाइट राइडर्स, जबकि 21 मई को गुजरात लॉयन्स और मुंबई इंडियन के बीच मैच प्रस्तावित हैं। वैसे अभी बीसीसीआई ने इन मैचों के आयोजन को हरी झंडी नहीं दी है। लक्ष्य सामाजिक संस्था की अनीता दुआ ने शुक्रवार को अपने वकील के माध्यम से शहर के सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत में याचिका दाखिल की है कि शहर में पानी की भारी कमी है और रोजाना पानी को लेकर शहर में कई जगह हंगामा होता है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी और ममता पर बोला हमला

श्यामपुर (पश्चिम बंगाल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 'झूठ का सहारा लेने और लोगों को झांसा देने' का आरोप लगाते

हुए कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उन लोगों ने लाखों नौकरियों का वादा किया था लेकिन 'एक भी व्यक्ति को रोजगार नहीं मिला।'

राहुल गांधी ने कहा, 'ममता जी और मोदी जी झूठे वायदे कर रहे हैं। ममता जी ने 70 लाख लोगों को रोजगार देने की बात की थी जबकि मोदी जी ने कहा था कि उनकी सरकार दो करोड़ लोगों को रोजगार देगी। लेकिन एक भी व्यक्ति को रोजगार नहीं मिला है।' उन्होंने यहां एक चुनावी सभा में माकपा नेताओं के साथ मंच साझा करते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में बंगाल 'कब्रिस्तान' में तब्दील हो गया है। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर भी ममता सरकार पर निशाना साधा।राहुल गांधी ने कहा कि सारदा और नारद घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयी।

कोलकाता में हाल ही में एक फ्लाईओवर के ध्वस्त जाने की घटना का जिक्र करते हुए राहुल ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी पार्टी के व्यक्ति को सामग्री की आपूर्ति का ठेका दिया था, जिसने घटिया सामग्री की आपूर्ति की।

उन्होंने ममता और मोदी पर 'बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के बारे में झूठ बोलने का' आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी ने काला धन वापस लाने और भ्रष्टाचार से मुकाबला करने का वादा किया था लेकिन कुछ नहीं किया गया है। राहुल ने कहा, 'मोदी सरकार कालेधन को सफेद करने के लिए कानून लाई, जिसे मैं 'फेयर एंड लवली स्कीम' कहता हूं।' उन्होंने कहा, 'बंगाल में पहले काफी उद्योग होते थे। लेकिन अब तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में, बंगाल कब्रिस्तान में बदल गया है। बंगाल में सिर्फ सिंडिकेट का उद्योग फलफूल रहा है।' पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस.वाम गठबंधन के लिए समर्थन की मांग करते हुए राहुल ने कहा कि अगर गठबंधन की सरकार बनती है।

बलिया में पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट पर ग्रहण, किसानों का विरोध

बलिया (उप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक मई को यहां होने वाले कार्यक्रम से पहले ही मालदेपुर के किसानों ने अपनी जमीन पर बिना अनुमति कार्यक्रम की तैयारियां किये जाने पर विरोध प्रकट किया है। मालदेपुर जिला मुख्यालय के निकट बलिया-लखनऊ राजमार्ग पर है। यहां के किसानों ने अपनी जमीन पर बिना अनुमति कार्यक्रम की तैयारियां किये जाने पर विरोध प्रकट किया है। प्रधानमंत्री एक मई को यहां अपनी सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट 'उज्जवला' की शुरूआत करने आ रहे हैं। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार झा ने आज बताया कि प्रधानमंत्री कार्यालय से मिले पत्र में बलिया दौरे की जानकारी दी गयी है। विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) के अधिकारी भी शनिवार को बलिया पहुंच जाएंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की देखरेख के लिए केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी यहां पहुंच रहे हैं।

आईआईटी छात्रा ने सीनियर पर लगाया यौन उत्पीड़न का आरोप

कानपुर। आईआईटी कानपुर से बैचलर आफ साइंस (बीएस) फिजिक्स, करने वाली भोपाल की 23 वर्षीय छात्रा ने पटना के रहने वाले अपने एक साल सीनियर छात्र पर पिछले दो साल से यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। इस मामले की जांच प्रशासन ने वुमेन सेल (महिला प्रकोष्ठ) से करवाई और मामला सही पाया। इसके बाद छात्र को कालेज से टर्मिनेट (निष्काषित) कर दिया। छात्र ने इस संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट में गुहार लगायी है।

आईआईटी के एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (डिप्टी रजिस्ट्रार) ने बताया कि बीएस फिजिक्स की तीसरे साल की छात्रा ने पांच जनवरी 2016 को संस्थान की वुमेन सेल को शिकायत की बीएस फिजिक्स के ही एक सीनियर छात्र ने पिछले दो वर्षों में

कई बार उसका यौन उत्पीड़न किया।

दोनों छात्र और छात्रा आईआईटी के ही अलग-अलग हास्टल में रहते थे। छात्रा की इस शिकायत पर आईआईटी प्रशासन ने वुमेन सेल को मामले की जांच करने को कहा। वुमेन सेल की जांच में छात्रा के आरोप सही पाये गये। इस बारे में जब छात्र से सवाल किये गये तो उसने इस बाबत कोई भी ठीक जवाब नहीं दिया। इसके बाद वुमेन सेल ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट आईआईटी प्रशासन को सौंपी। प्रशासन ने यह रिपोर्ट आईआईटी सीनेट में रखी उसके बाद सीनेट ने पांच अप्रैल 2016 को छात्र को आईआईटी से टर्मिनेट (निष्काषित) कर दिया। इसके बाद छात्र परीक्षा भी नही दे पाएगा।

आईआईटी से निष्काषन के बाद छात्र आआईटी प्रशासन के खिलाफ हाईकोर्ट इलाहाबाद चला गया है। आईआईटी प्रशासन के अनुसार हाईकोर्ट से इस पूरे मामले की जानकारी मांगी गयी है जो हाईकोर्ट को उपलब्ध कराई जा रही है। आईआईटी निदेशक प्रो इन्द्रनील मन्ना ने इस मामले की पुष्टि की है। हालांकि उन्होंने इसके संबंध में ज्यादा जानकारी देने से इंकार कर दिया।

क्षेत्र में खुशहाली व समृद्धि के लिए लगाया जाता है पंखा मेला : लखन सिंगला

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद के प्रसिद्ध पंखा मेला को लेकर रक्षाबंधन पंखा मेला कमेटी की एक बैठक पथवारी मंदिर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने की। बैठक में कमेटी के चेयरमैन शिवशंकर भारद्वाज, प्रधान बिट्टू कंसल व कोषाध्यक्ष बालकिशन गोयल ने पंखा उठाया और इस बार मेले को सफल बनाने की जिम्मेदारी ली। बैठक में चेयरमैन शिवशंकर भारद्वाज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्षाबंधन पर लगने वाले पंखा मेला को लेकर तैयारियां शुरु हो गई है। उनके नेतृत्व वाली समिति ने इस बार पंखा उठाते हुए मेले को सफल बनाने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि यह मेला दसियों वर्षो से यहां लगाया जाता है, जिसमें फरीदाबाद ही नहीं अपितु देश के दूसरे राज्यों से भी कलाकार आकर लोगों का मनोरंजन करते है और यह मेला फरीदाबाद ही नहीं अपितू हरियाणा सहित देश के अन्य लोगों के लिए

भी आकर्षण का केंद्र रहता है। पंखा मेला के आयोजन के बारे में उन्होंने बताया कि कहा जाता है कि वर्षो पूर्व क्षेत्र में एक आपदा आई थी, जिसे दूर करने के लिए क्षेत्र के लोगों ने पंखा उठाया और मेले का आयोजन किया, जिसके बाद वह आपदा दूर हो गई, तभी से इस हर वर्ष इस मेले का प्रचलन शुरु हुआ है, जो आज तक जारी है। हर वर्ष यह मेला इसलिए आयोजित किया जाता है कि ताकि समाज में भाईचारा व शांतिप्रिय माहौल रहे। बैठक में कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला ने समिति के सभी सदस्यों की हौंसला अफजाई करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी मेले को सफल बनाने में सभी सदस्य पूरी मेहनत व कर्मठता से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि मेले को सफल बनाने में वह हरसंभव सहयोग करेंगे क्योंकि इस मेले के आयोजन से क्षेत्र में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है और वैसे भी यह मेला क्षेत्र ही नहीं बल्कि जिले के लिए भी गौरव का विषय है। बैठक में रक्षाबंधन पंखा मेले कमेटी के वरिष्ठ उपप्रधान जवाहर ठाकुर, महासचिव, सुनील गोयल, नीरज गुप्ता, गुरुप्रीत सिंह लहरी, मुकेश गुप्ता व विजय कुमार, उपप्रधान, संदीप वर्मा, दिनेश जिंदल, ओमबीर चौधरी, कर्मवीर खटाना, सुधीर चौधरी, राकेश अग्रवाल, प्रचार मंत्री कपिल जैन, सचिव रणवीर नागर, सह सचिव धर्मेन्द्र लाम्बा, मेला प्रबंधक पवन गर्ग, मेला संचालक गिर्राज सैनी, मंच संचालक नितिन सिंगला, युवा कार्यकारिणी सदस्य करण सिंगला, रणवीर नागर सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

सिद्धदाता आश्रम में दिव्यधाम में हजारों श्रद्धालुओं ने की पूजा

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। सूरजकुंड रोड स्थित श्री लक्ष्मीनारायण दिव्यधाम श्री सिद्धदाता आश्रम में श्री हनुमान जयंती के अवसर पर हवन, पूजन, अभिषेक व कीर्तन हुआ। इस अवसर पर अधिपति अनंतश्री विभूषित श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने कहा कि पवन देव परम शक्तियों के दाता हैं। दिव्यधाम में सुबह नौ बजे हवन का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों लोगों ने समिधा डालकर हनुमंत लाल को प्रसन्न करने के लिए प्रार्थना की। इसके बाद अधिपति अनंतश्री विभूषित श्रीमद जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने दिव्यधाम में बजरंगबली की दिव्य प्रतिमा का अभिषेक किया और लोककल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने भक्तों से कहा कि हनुमान जी मान को हर लेते हैं जिससे व्यक्ति मान अपमान को भूलकर सम हो जाता है। उसके जीवन में शांति का वास हो जाता है। वहीं हनुमान जी भक्ति के अधिष्ठाता हैं। जिनका नाम ही भक्ति का पर्याय है। ऐसे हनुमंत लाल की आराधना करना और उनके गुणों को स्वयं में अंगीकार करने वाले भक्त सदा सुखी रहते हैं और उनपर परमात्मा की कृपा सदा बरसती है। उन्होंने भक्तों को प्रसाद व भोजन भी प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय संस्कृति संस्कार एवं विचारों की संस्कृति : गोयल

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। भारतीय संस्कृति संस्कार एवं विचारों की संस्कृति कहलाती है। धर्म हमें शांति का संदेश देते हैं तथा कोई भी धर्म हिंसा की इजाजत नहीं देता। यह बात फरीदाबाद के विधायक विपुल गोयल के भाई विनोद गोयल ने ओल्ड फरीदाबाद स्थित लैय्या बिरादरी हनुमान मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह

ज्ञान यज्ञ कथा से पूर्व निकाली गई कलश शोभा यात्रा की शुरुआत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि ऋषि-मुनियों की भूमि भारत में धर्म को अहम स्थान है। धर्म हमें सद्मार्ग के रास्ते पर ले जाते हैं। धार्मिक ग्रंथ हमें सच्चाई, भाईचारा, प्रेम, सद्भाव व एकजुटता के लिए प्रेरित करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने भी सच्चाई के लिए संघर्ष किया और अधर्मियों का संहार किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से धर्म के प्रति लोगों में आस्था बलवती होती है। इस आस्था से आत्मविश्वास को बल मिलता है। आत्मविश्वास के द्वारा ही व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है। हमें परमात्मा का स्मरण और आत्मविश्वास के साथ अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज व्यक्ति धर्म के प्रति संवेदनशील नहीं, क्योंकि व्यस्तता के कारण वह धार्मिक ज्ञान प्राप्त नहीं कर रहा है। हमें धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। कलश शोभा यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर शहर के मु य-मु य बाजारों से गुजरी, जहां लोगों ने कलश यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर पंडित अशोक कुमार बृजवासी, ताराचंद मिगलानी, संजय कक्कड, ओमप्रकाश नारंग, उमेश गोयल, प्रवीन गोयल, विनोद गोयल (मिड्डा), विक्की ढींगरा, बोधराज, तिलक मिगलानी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

YMCA विश्वविद्यालय में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ प्रारंभ

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आज प्रारंभ हो गई। प्रतियोगिता का शुभांरभ कुल सचिव डॉ संजय कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ शर्मा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते

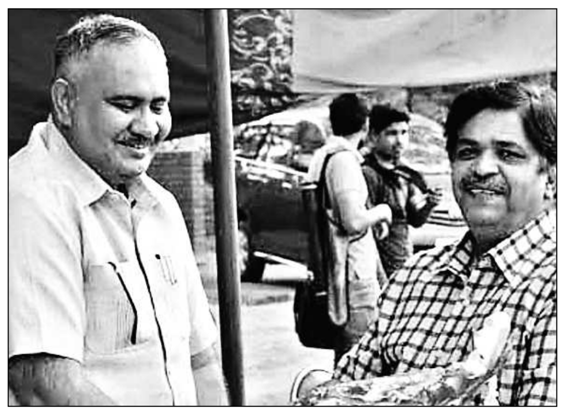

हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्वपूर्ण स्थान होता है और प्रत्येक विद्यार्थी को किसी न किसी खेल में अवश्य हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए खेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो एस के अग्रवाल तथा खेल अधिकारी डॉ भास्कर नागर भी उपस्थित थे। प्रतियोगिता के पहले दिन एथलेटिक्स के मुकाबले आयोजित हुए। लड़कियों की 100 मीटर फर्राटा दौड़ में कृष्णा विजेता रही। दूसरा स्थान आशा और तीसरा संध्या का रहा। इसी प्रकार, लड़कों की 200 मीटर दौड़ अमन ने जीती जबकि दूसरा व तीसरे स्थान पर क्रमशः प्रवीण एवं गुरमीत रहे। पहले दिन का मुख्य आकर्षण टीचिंग व नॉन टीचिंग कर्मचारियों के बीच क्रिकेट मैच रहा। दस-दस ओवरों के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए टीचिंग टीम ने चार विकेट खोकर 104 रनों का लक्ष्य निर्धारित किया। टीचिंग टीम के लिए सुनील जाधव ने सर्वाधिक 56 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी में नॉन टीचिंग टीम से प्रमोद कुमार ने 15 रन देकर दो विकेट व अश्वनी मनचंदा ने 16 रन देकर दो विकेट ली। जवाब में नॉन टीचिंग टीम ने तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सतबीर ने सर्वाधिक 46 व प्रमोद ने 28 रनों की उपयोगी पारी खेली।

निजी स्कूल के संचालकों पर होगी उचित कार्यवाही : मूलचंद शर्मा

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा है कि शिक्षा के व्यवसायीकरण को रोकने के लिये जो नियम कानून बने हैं निजी स्कूल प्रबंधकों को उनका पालन करना ही होगा। शिक्षा एक मिशन है ना की व्यापार। जिन निजी स्कूल संचालकों ने शिक्षा को व्यापार बना दिया है उनके खिलाफ हरियाणा सरकार उचित कार्यवाही करेगी। अभिभावक मंच का संस्थापक सदस्य होने के नाते वे व्यक्तिगत तौर पर भी मंच के साथ हैं और मंच की मांगों का समर्थन करते हैं। वो इस विशय पर मुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री से बात करेंगे। मूलचंद शर्मा ने यह बातें हरियाणा अभिभावक एकता मंच द्वारा चलाये जा रहे जागो

विधायक जागो अभियान के तहत उन्हें सौपें गये ज्ञापन के समय कही। मंच ने ज्ञापन सौंपकर मांग की कि सीबीएसई, हुडा व शिक्षा नियमावली 2003 के सभी नियम कानूनों का उल्लंघन करके अभिभावकों के साथ लूटखसौट व मनमानी कर रहे दोषी निजी स्कूलों के खिलाफ उचित कारवाई कराएं और मंच की मुलाकात मुख्यमंत्री जी से कराएं और मंच का संस्थापक सदस्य होने के नाते मंच के उदेश्य, कार्यो व मांगों का सर्मथन करते हुये अभिभावकों के हित में शीघ्र कार्यवाही करायें। पेरेंटस एसोसिएशन एपीजे, एमवीन, मार्डन डीपीएस, डीएवी, रयान, द्रोणाचार्य मानव रचना हरमन मायनर, आइषर, टैगोर, अग्रवाल आदि स्कूलों के अभिभावक सुबह 6 बजे ही सेक्ट्रर-10 मार्किट में इक्ट्ठा हुए और मंच के प्रदेश महासचिव केलाश शर्मा, संरक्षक सुभाश लांबा और मंच की जिला कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार जोशी एडवोकेट व सचिव डा. मनोज शर्मा के नेत्वृत में घंटा, घडियाल व शंख बजाते हुए मूलचंद शर्मा के निवास पर पहुंचे। यहां पर कैलाश शर्मा, डा. मनोज शर्मा ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए बताया कि दिसम्बर 2014 में भी सभी विधायकों को मंच की ओर से ज्ञापन/मांगपत्र सौपा गया था लेकिन किसी भी विधायक ने अभिभावकों के हित में कोई उचित कारवाई नहीं की उल्टे इन सभी जन प्रतिनिधियों ने निजी स्कूलों के कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि बनकर उनका हौसला बढाया। अब सभी विधायको को इसी प्रकार घंटा, घडियाल व शंख बजाते हुए प्रभात फेरी निकालकर जगाया जा रहा है।

भाजपा नेता राजेश नागर ने मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय राज्यमंत्री का किया स्वागत

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश नागर के गांव भतौला स्थित निवास पर प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर व केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का जिला परिषदों के मेम्बरों, ब्लाक मेम्बरों, पंच-सरपंचों सहित मौजिज सरदारी ने पगड़ी बांधकर एवं फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। जलपान समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री खट्टर ने कहा कि फरीदाबाद सहित तिगांव क्षेत्र से उनका खासा लगाव है, एक समय था, जब उन्होंने पूरी रात ददसिया गांव में गुजारी थी और वह जिले की हर विधानसभा की गलियों में स्कूटर व साईकिल से घूम चुके है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास की नीति के तहत फरीदाबाद सहित समूचे हरियाणा के विकास के लिए कृतसंकल्पित है। भाजपा सरकार का मकसद केवल विकास कराना ही नहीं बल्कि लोगों के दिलों में आपसी भाईचारे के भावना को बढाना भी है। जलपान समारोह में उमड़ी लोगों की भीड़ से उत्साहित मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भाजपा की नीतियों में सभी वर्ग अपनी आस्था जा रहे है और केंद्र व प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व में एक नए भारत व नए हरियाणा का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा नेता राजेश नागर ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वास दिलाया कि तिगांव क्षेत्र के कार्यकर्ता केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन में पहुंचाने का कार्य कर रहे है और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए भी कोई कोर कसर बाकि नहीं छोडी जा रही है। इस अवसर पर विधायक मूलचंद शर्मा, टेकचंद शर्मा, अश्विनी त्रिखा, रुप सिंह नागर, जिला परिषद के वाईस चेयरमैन गुड्डी भाटी, शेर मोहम्मद, जगत सिंह एडवोकेट, पूनम देवी, शैलेन्द्र सिंह, अवतार सिंह, जगदीश प्रसाद, धर्मेन्द्र खटाना, राजेश तंवर, पुष्पा देवी, मोहन डागर, मुकेश रानी, विक्रम एडवोकेट, ब्लाक समिति के मेम्बर सुभाष चंदीला, कौशल्या, सतपाल, आनन्द, सुनील, जयवीर नागर, सीमा नागर, तेजसिंह, अशोक रावल, रेखा, विकास शर्मा, तिगांव के सरपंच पप्पू नागर, रिंकू जौडला, नीमका के सरपंच केशराम नागर, भैंसरावली के सरपंच भूदत्त शर्मा आदि मौजूद थे।

लाठीचार्ज में घायल लोगों का एक सप्ताह बाद भी नहीं हुआ मैडीकल

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। सीएम रैली के दौरान जाम लगाने पर पुलिस द्वारा नगर निगम से निकाले गए कर्मचारियों व वीर एकलव्य दल के प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र चंदेलिया सहित उनके मना कर दिया। डाक्टरों ने मैडीकल करवाने आए लोगों को यह कहकर भगा दिया कि जब तक पुलिस नहीं आएगी मैडीकल नहीं करेंगे। वहीं घायल कर्मचारियों का कहना है कि पुलिस व डाक्टर उनके साथ ज्यादतियां कर रहे हैं।

साथियों पर लाठीचार्ज किया था, जिसमें कई लोग घायल हुए हो गए थे। पुलिस द्वारा इस मामले में मात्र 4-5 लोगों का मैडीकल करवाया गया। लाठी चार्ज में घायल दलित समुदाय के लोग जब डाक्टरों के पास मैडीकल करवाने पहुंचे तो डाक्टरों ने मैडीकल करने से एक सप्ताह बाद भी उनका मैडीकल नहीं होने दिया जा रहा है। घायल कर्मचारियों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि भाजपा सरकार एक तरफ तो कहती है कि यह गरीबों व मजदूरों की सरकार है वहीं दूसरी और जब वह अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर उनके पास जाते हैं।

त्रिवेणी मंदिर में हुआ हवन यज्ञ का आयोजन

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। हनुमान जयंती के अवसर पर गुडग़ांवा पाली रोड स्थित त्रिवेणी मंदिर में विशाल हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पाली क्रेशर जोन के अध्यक्ष एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता धर्मवीर भडाना उपस्थित थे। इस अवसर पर धर्मवीर भडाना ने साथियों पूर्व पार्षद राजेश भाटिया, विनोद भडाना, श्यामवीर भडाना, अशोक त्यागी, संजय नागर,सहित अन्य के साथ हवन यज्ञ में आहूति डाली और देश, प्रदेश व समाज में शान्ति की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित श्रृद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए धर्मवीर भडाना ने कहा कि आज उस हनुमान जयंती के अवसर पर हम सभी को उनके बताये हुए दिशा निर्देशों एवं उनकी भक्ति को याद करना चाहिए उन्होंने श्रीराम के भक्ति को जो परिचय दिया था उस भक्ति को हम सभी ने अपने जीवन में भी

लाना चाहिए और अपने माता पिता, अपने से बडो का आदर करना एवं उनके बताये हुए मार्गो पर चलना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व पार्षद राजेश भाटिया ने कहाकि भारत ऋषि मुनियो का देश है और इस देश में सभी धर्मो के लोग रहते है और सभी धर्मो के पर्वो को भी यहां धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होने कहा कि हम सभी को धर्मवीर भडाना जैसे व्यक्ति से समाजसेवा की सीख लेनी चाहिए उनमें समाजसेवा कूट-कूट कर भरी है और उन्होंने सदैव लोगों के सुख दुख में अपनी भागीदारी निभाई ऐसे लोगों से सीख लेकर हम अपना जीवन सफल बना सकते है। राजेश भाटिया ने कहा कि धर्मवीर भडाना हर किसी की मदद करने में अपनी अहम भूमिका निभाते है यही कारण है कि आज उनको हर जाति, समुदाय के लोग चाहते हैं। उसी में हनुमान जयंती भी है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर अपने आप में एक विख्यात मंदिर है इस मंदिर की खासियत यह है कि इस मंदिर में श्री हनुमान की 125 फुट ऊंची प्रतिमा है जिसमे की हनुमान जी बैठे हुए है और यह पहली ऐसी प्रतिमा है जो आज तक कहीं नहीं है साथ ही इस मंदिर की आस्था भी लोगों में काफी जुड़ी है। यहां दूर दूर से लोग अपनी मन्नत लेकर आते है और वह पूरी भी होती है उसके पश्चात वह इस मंदिर व मंदिर संचालकों का आभार भी जताते है। उन्होंने लोगों से आव्हान किया कि वह आपसी भाईचारा, प्रेम, सौहार्द के साथ रहे और एक दूसरे के सुख दुख में सहयोग करें। इस अवसर पर पूर्व पार्षद राजेश भाटिया ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए एक खास दिन है और इस खास दिन में हम सभी को इस बात का प्रण करना है कि हमें आज्ञाकारी बनना है ताकि हम अपना जीवन सफल बना सके। इस अवसर पर मंदिर के चेयरमैन सतीश कुमार, उप चेयरमैन खेमचंद, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र परिंदा, नरायन, दयाचंद धनखड, जगजीत सिंह, रान्ती देवी गुप्ता, राजपाल, त्रिलोक चंद, लक्की कुमार, बिजेन्द्र कुमार, विरेन्द्र आदि ने आये हुए श्रृद्धालुओं को भण्डारा वितरण किया।

प्रभात अर्जुन, हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र
फरीदाबाद, 16 से 30 अप्रैल 2016

e-mail :
mnewsdaily2008@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सतयुग दर्शन वसुंधरा में रामनवमी यज्ञ महोत्सव

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। सभी की सूचनार्थ भूपानी स्थित, सतयुग दर्शन वसुन्धरा के प्रांगण में ट्रस्ट का वार्षिक उत्सव प्रात 8 बजे भरपूर हर्षोल्लास से प्रारंभ हुआ। हज़ारों श्रद्धालुओं ने नतमस्तक होकर इस पावन बेला का आनन्द उठाया। आरभभिक विधि के उपरान्त यहाँ उपस्थित सजनों को ट्रस्ट के मार्गदर्शक श्री सजन जी ने बताया कि सतवस्तु का कुदरती ग्रन्थ, (जो कि सतवस्तु के वाली श्री

साजन जी का जीवन चरित्र है व जिसके अंतर्गत विगत तीन युगों के साथ-साथ आने वाले स्वर्णिम युग यानि सतयुग के संविधान का सविस्तार वर्णन है) हम सब सजनों को सजन श्री शहनशाह हनुमान जी की चरण-शरण में आ, उन द्वारा प्रदत युवावस्था की भक्ति यानि समभाव-समदृष्टि की युक्ति प्रवान कर, उन जैसा ही श्रेष्ठ, विद्वान, गुणवान, बलवान, धनवान, बुद्धिमान व ज्ञानवान बनने के लिए प्रेरित कर रहा है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक व वैश्विक हित के लिए महता्वपूर्ण इस बात के दृष्टिगत सजनों हम सबके लिए बनता है कि हम इस कुदरती ग्रन्थ की वाणी का सत्कार व सममान करते हुए, इन सद्गुणों को धार, न केवल स्वयं एक नेक व सदाचारी इंसान बनें अपितु आने वाली पीढ़ियों को भी इसी राह पर प्रशस्त करने की दक्षता दिखाएं।

रामनवमी यज्ञ महोत्सव

सतयुग दर्शन वसुन्धरा में आयोजित राम नवमी यज्ञ महोत्सव के द्वितीय दिवस श्री सजन जी ने गुणवान व्यक्ति कैसे बनना है, इसके विषय में बताते हुए कहा कि व्यक्ति व वस्तु की निजी विशेषता, धर्म या लक्षण को गुण कहते हैं। उपभोक्ता को वस्तु के प्रभाव या परिणाम की जानकारी होनी आवश्यक है ताकि वह किसी ऐसी वस्तु का प्रयोग

न कर बैठे जो उसके लिए अहितकर हो। उन्होंने कहा कि विद्या द्वारा ही किसी वस्तु के लाभ या उसके लाभप्रद तत्व को जाना जा सकता है। इस कला में दक्ष यानि गुणों का पारखी मानव ही केवल उन पदार्थों को धारण करता है जिनके प्रभाव द्वारा परिणाम स्वास्थ्यवर्धक हो यानि उसके अंतर्निहित त्रिगुण यानि सत्व, रज और तम् आवश्यकता अनुरूप सदा संतुलित बने रहें। ध्यान दो अज्ञान के कारण, इसमें क्षणिक भी चूक या लापरवाही भिन्न-भिन्न प्रकार के रोगों व दोषों यानि अवगुणों की उत्पाति का कारण बन सकती है। इसीलिए उन्होंने कहा कि हर मानव को, हर वस्तु में निहित गुण को अपने अन्दर धारण करने से पहले विवेकशक्ति द्वारा उसको समझना चाहिए और तत्पश्चात् अपने ह्मदय को गुणों की खान बना, मन-वचन-कर्म द्वारा, उनका सत्यनिष्ठा व प्रसन्नता से प्रयोग कर, अपने ऊपर उपकार करना चाहिए यानि प्रत्येक मानव परस्पर गुणों का ही बखान करे व उस वस्तु या व्यक्ति विशेष को आदर दें। मानव को कभी भूल कर भी गुणघाती वृति नहीं अपनाना चाहिए अर्थात् किसी के गुण पर घात लगा कर उसको दोषों में फँसाने का यत्न नहीं करना चाहिए।

श्री सजन जी ने कहा कि कुछ भी धारण करते समय या परस्पर गुणों के आदान-प्रदान के समय उस वस्तु के परिमाण से अधिक उसकी गुणवता पर ध्यान देने वाला व्यक्ति ही एक समझदार मानव कहलाता है। इसलिए मन में गुणों का विचार करना ही मानव-धर्म अनुसार एक मानव की आचार-संहिता का सुदृढ़ आधार कहलाता है और उसे सर्वगुण संपन्न बनाता है। उनके अनुसार हर मानव का नैतिकता का स्तर उसकी गुणवता के आधार पर ही मापा जाता है। यही स्तर ही उसके जीवन के हर पहलू में उसकी सफ़लता, उन्नति, यश-कीर्ति व भाग्य का निर्माता होता है।

रामनवमी यज्ञ महोत्सव

रामनवमी की पावन बेला पर श्री सजन जी ने उपस्थित सजनों को एक बुद्धिमान व्यक्ति के बारे में बताते हुए कहा कि बुद्धि जानने,

समझने, विचार करने और निश्चय करने की ज्ञान शक्ति है। यह वह ज्ञान-शक्ति या विवेकशक्ति भी है जो मनुष्य को निज का, जगत का व ब्राह्र का ज्ञान-विज्ञान उपलबध कराती है व तत्पश्चात् उसे विचार द्वारा धारण कर, अपना जीवन युक्तिसंगत व्यतीत करने के लिए प्रेरित करती है ताकि मानव हर कार्य आत्मीयता से सिद्ध करते हुए, शांत व आनंदमय बना रह सके। यह वह महत् तत्व है जो मूल प्रकृति का प्रथम परिणाम है। बुद्धि अपने आप में इतनी महान व शक्तिशाली है जिसकी तीक्ष्णता, आत्मिक ज्ञान व ध्यानशक्ति के सदुपयोग द्वारा, मनुष्य को अपने यथार्थ स्वरूप से परिचित कराने की सक्षमता रखती है। इसलिए इसका मनुष्य जीवन में सबसे अधिक मह्तव माना जाता है। उन्होंने कहा कि प्रकाशमानता बुद्धि की जाग्रत अवस्था कहलाती है। इसके अंतर्गत किसी भी वस्तु, विषय या बात का प्रत्यक्ष करना सहज होता है। बुद्धिमान या ज्ञानज्योति से प्रकाशमान पुरूष ही, सत्य के प्रत्यक्ष ज्ञान द्वारा, जन्म-मरण से छुटकारा पा सकता है तथा स्वयं मुक्त होने से पूर्व संसार को मोक्ष या निर्वाण प्राप्त करने की रीति बतलाता है। ऐसा मानव विचारवान व शुद्ध भाव/भावना वाला होता है और किसी का तिरस्कार नहीं करता। न ही वह किसी के प्रति निकृष्ट मत रखता है।

'गरीबों को उजाड़ने का काम कर रही है भाजपा सरकार'

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। कौशिक फरीदाबाद के पूर्व विधायक आनन्द कौशिक ने कहा कि भाजपा सरकार जब से सत्ता मे आई है, उसने गरीबों को उजाड़ने के सिवा दुसरा कोई काम नही किया हैं चाहे वह मंहगाई बढ़ाकर गरीबों की रसोई को सूना करना हो या गरीबों की बस्तियों को विकास के नाम पर उजाड़ना हो। आज प्रदेश व देश के सभी लोगो के सामने भाजपा का असली चरित्र, चाल व चेहरा आ गया हैं कि यह पार्टी सिर्फ घनाड्यो की पार्टी है न कि गरीबो की है। पूर्व विधायक आनन्द कौशिक आज यहां सैक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय में जिला उपायुक्त को कृष्णा कॉलोनी की झुग्गियों को न तोडने के लिए ज्ञापन देने के अवसर पर उपस्थित लोगो को सम्बोधित कर रहें थे। इस अवसर पर उनके साथ प्रदेश कांग्रेस महासचिव बलजीत कौशिक, कांग्रेसी नेता विकास चौधरी, राकेश भडाना, ज्ञानचंद

आहुजा, निर्वतमान नगर निगम पार्षद अनिल शर्मा, कृष्णा कॉलोनी के प्रधान तुलसी, महेन्द्र बघेल, सुभाष चंद, कुमारी निशा आदि सैंकड़ो लोग मौजूद थे। इस अवसर पर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बलजीत कौशिक व विकास चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा गरीबों को बसाने का काम किया है, लेकिन जबसे प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है, गरीबों, किसानो, मजदूरों का जीना मुहाल हो गया है। मंहगाई की मार ने सबकी कमर तोडकर रख दी है, रही सही कसर अब भाजपा सरकार स्लम बस्तियों को उजाडकर पूरा कर रही हैं कि किसी गरीब के सिर पर छत भी न रहे। श्री कौशिक व चौधरी ने कहा कि वे गरीबों को उजाडने नही देंगे। यदि सरकार गरीबों की छत उजाडेगी तो वे सरकार की ईंट से ईंट से बजा देंगे। इस अवसर पर उन्होने कहा कि यदि किसी कारणवश इन स्लम बस्तियों के मकानो का हटाना भी पड़ता है तो इनके रहने के लिए फ्लैट आंवटित किये जाये या उनके रहने के वैकल्पिक जगह का प्रबंध किया जाये ताकि गरीब लोग सडको पर न आ जाये और अपना व अपने बच्चों का लालन-पालन कर सके। इस असवर पर रमेश चंद गौतम, जुल्फिकार अहमद, हरीलाल प्रधान, अजय सक्सेना प्रधान, इस्लामुद्दीन, महीपाल, रमेश हलवाई, डा. फारूकी, मोहसिन मलिक, नन्हे कुरैशी, संतोष कौशिक, मुकेश शर्मा, रामकिशन शर्मा, सुनीता, अंगुरी, सावित्री, ढकेली, गुड्डी, पूरनदेई, सोना देवी, साबोदेवी, ओमकार, फूलचंद, मदन, रामनाथ, बिजेन्द्र, पूरन सिंह, नैनसिंह, कैलाश, बसंती देवी, किशोर कुमार सहित सैंकडो की संख्या में लोग मौजूद थे।

केक काट कर मनाई हनुमान जयंती

प्रभात अर्जुन
फ र ी दा बा द । प्राचीन हनुमान मंदिर सेवा समिति सेक्टर 22 द्वारा हनुमान जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष गंगेश तिवारी ने बताया कि मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तजनों आना जाना लगा रहा। भक्तों ने हनुमान जी के श्री चरणों में हनुमान जी की अराधना की। इस जयंती के मौके पर मंदिर समिति के चैयरमेन प्रदीप राणा व उपप्रधान राजेश सिंह ने हनुमान जी की विशेष पूजा अराधना की व आरती उतारी। हनुमान जयन्ती के मौके पर समिति के पदाधिकारियों ने केक काट हनुमान जी का जयंती मनाई। समारोह में समिति के अध्यक्ष गंगेश तिवारी ने बताया कि आज के दिन हनुमान अराधना करने से हनुमान जी प्रसन होते है और भक्तो की सभी मनोकामना पूर्ण करते है। मंदिर के पुजारी सीता सरण तिवारी ने आए हुए भक्तों को तिलक लगाकर आशीर्वाद दिया और प्रसाद वितरण किया। समारोह

में मथुरा के आए महेश पंडित की भजन मण्डली ने जब हनुमान जी के भजनों का गुणगान किया तो श्रद्धालु झूमने पर मजबूर हो उठे। इस मौके पर एडवोकेट सहिद खान,जोगिंद्र पांचाल,गोतेंद्र सिंह,सुमित मिश्रा,मास्टर प्रिंस तिवारी,विवेक चौधरी,अनुराग गर्ग,अनिल पोसवाल,चौधरी हर्ष जाखड़, राजेश गर्ग,राजीव खत्री,राहुल तिवारी,मयंक तिवारी व बिटू तिवारी मुख्य रूप से मौजूद थे।

सूरजकुण्ड इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया अर्थ डे

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। सूरजकुण्ड इंटरनेशनल स्कूल में आज भूमि दिवस(अर्थ डे) मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम गायत्री मंत्र द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत की गई तत्पश्चात प्रधानाचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए पर्यावरण के विषय पर अपने विचार व्यक्त। उन्होनें कहा कि हमें अपनी पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाना है ताकि हमारी भावी पीढिया़ स्वस्थ एवं निरोगी रहें। स्कूल के डायरेक्टर सीनियर एडवोकेट सतेन्द्र भड़ाना ने इस विषय पर अपने विचार प्रकट किए एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमति देबजानी सेन गुप्ता एवं डायरेक्टर

सतेन्द्र भड़ाना ने स्कूल के प्रागंण में बच्चों के साथ पौधे लगाए। इस मौके पर स्कूल के छात्रों को संबोधित करते हुए सतेन्द्र भड़ाना ने कहा कि जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है व जलस्तर घटता जा रहा है वह दिन दूर नहीं जब जल की समस्या एक भीषण रूप लेकर हमारे सामने खड़ी हो जाएगी। इसलिए पूरे विश्व को यदि जल सकंट से बचाना है तो लोगों को पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूक होना पड़ेगा। उन्होनें कहा कि हरियाली के बगैर खुशहाली की कामना नहीं की जा सकता। भूमि दिवस पर छात्रों द्वारा अनेक तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे नाट्य मंचन,नृत्य,गीत,कविता वाचन आदि।

जीवा पब्लिक स्कूल में अर्थ डे पर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में अनोखे एवं शिक्षाप्रद तरीके से पर्यावरण संरक्षण दिवस अर्थात 'अर्थ डे' मनाया गया। 22 अप्रैल को पूरे विश्व में ही अर्थ डे मनाया जाता है वहीं एक छोटा सा प्रयास जीवा पब्लिक स्कूल में भी किया गया जिसमें बताया गया कि आज पृथ्वी दिन प्रतिदिन विनाश की ओर बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण मनुष्य के क्रियाकलाप ही हैं। मनुष्य ने आज अपने स्वार्थ और अपने आराम के लिए हर प्रकार से पृथ्वी को प्रदूषित किया, अस्वच्छ किया और उसका दोहन किया जिसका परिणाम यह हुआ कि पृथ्वी का वातावरण असंतुलित हो

गया हैइस स्थिति को देखते हुए विश्व भर में इस विषय पर ध्यान दिया जा रहा है और इस स्थिति को रोकने के लिए अनेक प्रयास भी शुरू किए गए । यह दिवस खास तौर से स्कूल कॉलेजों में मनाया जाता है जिससे अपने वाली पीढ़ी इस ओर ध्यान दे। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम एक सुविचार से हुआ। सुविचार के द्वारा छात्रों को बताया गया कि हमें अपने स्वार्थ के लिए पेड़-पौधों का नाश नहीं करना चाहिए क्योंकि यह पेड़-पौधे हैं तो हमारा जीवन है। इसके अलावा छात्रों ने एक लघु नाटिका का मचन किया जिसमें उन्होंने बताया कि प्रदूषण के अनेक कारणों से अवगत कराया, साथ ही बताया कि प्रदूषण बढने़ से ही तरह-तरह की बिमारियाँ भी बढ़ती हैं। कुछ छात्रों ने एक नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की जिसमें बताया कि किस प्रकार से मनुष्य की गतिविधियों के कारण ही आज मनुष्य स्वयं ही विनाश की ओर बढ़ रहा है। किंडरगार्टन के छात्रों को पर्यावरण के संरक्षण का महत्व समझाने के लिए विभिन्न क्रिया-कलाप करवाए गए जिसमें उन्होंने विभिन्न पेड़-पौधों के औषधीय गुणों से अवगत कराया गया तथा उनके लिए ग्रीन डे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान एवं प्रधानाचार्या श्रीमती चंद्रलता चौहान भी उपस्थित थी। उन्होंने छात्रों के इस उत्कृष्ट कार्यक्रम की प्रशंसा की। श्री ऋषिपाल चौहान ने कहा कि धरती सब की माता होती है यदि हम अपनी माता का सम्मान करते हैं तो हमें धरती माता का भी सम्मान करना चाहिए क्योंकि अगर धरती सुरक्षित है तो समस्त प्राणी जगत सुरक्षित हैं।

'सर्वोच्च सत्यंयानि ब्राह्र और जीव के ज्ञान का बोध कर सकता है'

प्रभात अर्जुन
फरीदाबाद। सतयुग दर्शन वसुन्धरा में आयोजित राम नवमी यज्ञ महोत्सव के तृतीय दिवस सतयुग दर्शन ट्रस्ट के मार्गदर्शक श्री सजन जी ने सजनों को बताया कि हकीकत में धनवान कौन होता है? उन्होंने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिसके पास बहुत धन हो उसे धनवान कहते हैं। इस संदर्भ में कुबेर को धनेश्वर यानि धन का देवता माना जाता है। धन ऐसा विनिमय-माध्यम है जो मूल्यवान तथा मूल्यमापक के व्यापक रूप में स्वीकार किया जाता है। इसे एक वस्तु को लेकर उसके बदले में दूसरी वस्तु देने का व्यापार भी कह सकते हैं। आज के समय में धन-समपति और व्यक्ति का अत्यंत प्रिय रिश्ता है तभी तो अधिकतर व्यक्तियों का जीवन धन-लिप्सा में ही व्यतीत होता है और साथ-साथ धन से प्राप्त होने वाली प्रतिष्ठा से उन्हें धनी होने का घमंड भी हो जाता है। यहाँ यह जानने की आवश्यकता है कि किसी भी व्यक्ति के पास जितनी भी धन-संपति हो वह यथार्थ में उसका कोषाध्यक्ष होता है, मालिक नहीं। इस

परिप्रेक्ष्य में उन्होंने सजनों को धन के चलन के विषय में बताते हुए कहा कि धन चलायमान है यानि एक जगह टिकता नहीं, उसका रूप बदलता रहता है। इसलिए आवश्यकता से अधिक धन परोपकार में लगाना संतोष और बुद्धिमता का प्रतीक है। ऐसा व्यक्ति भाग्यशाली व ईमानदार व्यक्ति कहलाता है कयोंकि ऐसा गुणी न तो कभी लोभ व तृष्णा रूपी विकार में फँसता है और न ही कंजूस कहलाता है। हकीकत में ऐसा धनी और मर्यादित व्यक्ति ही प्रतिष्ठा का अधिकारी होता है। आगे उन्होंने कहा कि दौलत, रूपया-पैसा, ज़मीन-जायदाद, सोना-चाँदी, मकान, पशु आदि भी धन-संपति ही कहलाते हैं। तभी तो धन वह मूल्यवान वस्तु है जिससे कोई वस्तु खरीदी या बेची जा सके या जिसका पूंजी रूप में विनिवेश कर अपना उद्देश्य यानि स्वार्थ सिद्ध किया जा सके। यह स्वार्थ यानि अपना हित साधने की क्षुद्र भावना होती है जो हर मानव के अपने-अपने स्वार्थ में लीन होने की परिचायक होती है। ऐसा स्वार्थी अपना स्वार्थ पूरा करने की धुन में किसी बात की चिंता नहीं करता। ऐसे चतुर स्वार्थियों से आज का मानव समाज भरा पड़ा है और चाह कर भी उनके लिए अपने स्वार्थ को त्यागना, एक विकट समस्या बन गई है। इसी कारण आज अधिकतर मानव स्वार्थ पूर्ति् के लिए विवेकहीनों के समान दुराचरण करते हैं और स्वार्थ पूरा करते समय भले-बुरे का ध्यान नहीं रखते।

दुराचार, व्यभिचार, अत्याचार, भ्रष्टाचार जैसा अमानवीय आचरण स्वार्थी समाज की ही देन है। सजन जी ने कहा कि इसके विपरीत परमार्थी धन अपने आप में सर्वश्रेष्ठ वस्तु या वह उताम संपति है जिससे व्यक्ति एक तो सर्वोच्च सत्य यानि ब्राह्र और जीव के ज्ञान का बोध कर सकता है, दूसरा परमतत्व की साधना और ब्राह्र की प्राप्ति को ही, अपना सबसे श्रेष्ठ कर्तव्य मानते हुए, परोपकार कमाना आवश्यक मानता है। यहाँ तक कि वह स्वार्थी धन भी नेक नीयती से कमाता व व्यय करता है।

पश्चिम बंगाल चुनाव पर बेबाक बोल : परिवर्तन पंथी

देश अभी विचारधारा की राजनीति के जिस द्वंद्व, टकराव और संक्रमण काल से गुजर रहा है, उसमें पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को अगर एक कसौटी की तरह देखें तो यह अतिरंजना नहीं होगी। दरअसल, जिस तरह पिछले चार दशक से देश में पश्चिम बंगाल वाम राजनीति का गढ़ रहा है और हाल के वर्षों में दक्षिणपंथ की राजनीति का केंद्रीय सत्ता में उभार हुआ है,

देश अभी विचारधारा की राजनीति के जिस द्वंद्व, टकराव और संक्रमण काल से गुजर रहा है, उसमें पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को अगर एक कसौटी की तरह देखें तो यह अतिरंजना नहीं होगी। दरअसल, जिस तरह पिछले चार दशक से देश में पश्चिम बंगाल वाम राजनीति का गढ़ रहा है और हाल के वर्षों में दक्षिणपंथ की राजनीति का केंद्रीय सत्ता में उभार हुआ है, उसमें इसलिए भी राज्य के चुनाव को एक खास जगह मिली हुई है कि पांच साल पहले सत्ता से बाहर होने के बाद एक बार फिर से वामदलों ने अपना पूरा जोर लगा दिया है, यहां तक कि कांग्रेस से समझौता करना भी उनके लिए कोई परेशानी का सबब नहीं बना। इसलिए इस राज्य के चुनावी नतीजों का इंतजार शायद सबको है।

कोलकाता की सरहद में कदम रखते ही शहर के दोनों तरफ के खंभों से लिपटी नीली और सफेद रंग की लड़ियां सहज ही कुछ अलग-सी छाप छोड़ती प्रतीत होती हैं। इनके बारे में जानना कोई ज्यादा मुश्किल भी नहीं। शहर में कोई भी बता देगा कि यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दस्तखतनुमा पहचान है। टैक्सी का ड्राइवर एक कदम और आगे बढ़ जाता है, 'अगर आप अपने घर का पेंट नीला और सफेद करवा लें तो आपका टैक्स माफ हो जाता है'। उसकी इस बात की सच्चाई पर किसी को शुबहा हो सकता है, लेकिन यह इस बात को जाहिर करने के लिए काफी है कि अगर ममता की मर्जी के अनुकूल काम करेंगे तो बस कल्याण ही है। यह सच भी है कि स्थानीय प्रशासन ने एक योजना ही शुरू कर दी थी कि अगर कोई व्यक्ति अपने घर को नीले रंग में रंगवा लेता है तो उसे टैक्स में छूट मिलेगी। जयपुर को 'गुलाबी शहर' कहे जाने का संदर्भ भले ही कुछ और हो, लेकिन उसी तर्ज पर कोलकाता को 'नीला शहर' नाम देने की यह कवायद काफी हद तक कामयाब दिखाई देती है।

ऊपर से ऐसा ही दिखता है पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का प्रभाव। तमाम आरोपों और टकराव के बीच कामयाबी से अपना करीब एक कार्यकाल पूरा कर चुकी ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अपने दूसरे कार्यकाल को लेकर काफी आश्वस्त दिखाई दे रही है। हालांकि चुनाव के ऐन मौके पर कोलकाता में एक फ्लाईओवर के गिरने की घटना और तृणमूल कांग्रेस के चार बड़े नेताओं के स्टिंग ऑपरेशन में पकड़े जाने के कारण पार्टी को स्थानीय स्तर पर थोड़ा धक्का तो लगा है। तृणमूल की ओर से इसका जबर्दस्त खंडन किया जा रहा है और प्रतिक्रिया भी दी जा रही है। लेकिन सच यह भी है कि मुद्दों के मारे विपक्ष को इसने उंगली उठाने का कारण तो दे ही दिया है। अब चुनावों में इसका असर कितना होगा, यह देखने की बात है।

सच यह है कि बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव में जो बुद्धिजीवी ममता के समर्थन में थे, उनमें से ज्यादातर लोग आज उनसे दूर हो चुके हैं। चाहे उनमें कौशिक सेन हों या कबीर सुमन। अरुणाभ घोष जैसे उनके साथी कांग्रेस में चले गए। और इसकी एक बड़ी वजह यह है कि ममता बनर्जी को आलोचना बर्दाश्त नहीं। भाजपा ने घोटालों को लेकर उनकी आलोचना की तो उन्होंने सीबीआइ जांच व भाजपा के खिलाफ रैली निकालने का आदेश जारी कर दिया। कवि शंख घोष ने इस पर सवाल उठाए और अन्य बुद्धिजीवियों ने भी इससे दूरी बरती। माओवाद प्रभावित नंदीग्राम और सिंगुर जिन्होंने माकपा के खिलाफ ममता को वोट दिया था, अब वे भी ममता के 'परिवर्तन' से परेशान हैं।

करीब साढ़े तीन दशक तक काबिज वामपंथी दलों को धराशायी करके ममता बनर्जी ने अपनी कामयाबी की जो कहानी लिखी थी, उसकी इबारत अभी धूमिल पड़ती नहीं दिखाई दे रही। तब ममता ने कांग्रेस से हाथ मिला कर अपनी ताकत दोहरी की थी और इस राष्ट्रीय पार्टी को अपने साथ दूसरे नंबर की पार्टी के तौर पर ही जगह दी। बहरहाल, चुनावी हिसाब-किताब के लिहाज से देखें तो बिहार और झारखंड से आए लोगों की कोलकाता में भरमार है। हिंदी भी शहर में बोलचाल की आम भाषा है। लगभग सभी लोग किसी का अभिवादन करने के लिए 'नमस्ते जी' ही कहते हैं। यानी ऐसा लगता है कि भाषा को लेकर कहीं कोई पूर्वग्रह नहीं है। यहां तक कि शहर के पुराने और भीड़भाड़ वाले इलाके में भी लोग हिंदी को अपनी भाषा की तरह इस्तेमाल करते हैं। यह दीगर है कि शहर की 60 फीसद के करीब आबादी बंगाली समुदाय के लोगों की है।

जिस प्रदेश में हर बार चुनावी हिंसा में सैकड़ों लोगों के मारे जाने का इतिहास रहा हो, वहां इस बार चुनावों के दौरान बढ़ती जागरूकता और कई चरणों में होने वाले चुनाव दरअसल प्रबंधन के कसाव की ओर संकेत करते हैं। पूरा शहर मुस्तैद पुलिसकर्मियों से अटा पड़ा दिखता है। यह अलग बात है कि इस हालत में भी यहां ट्रैफिक सिग्नल का उल्लंघन धड़ल्ले से होता है। हालांकि चालान भी उतने ही कटते दिखाई देते हैं।

पश्चिम बंगाल की विधानसभा में सीटों की कुल संख्या 294 सदस्यों की है, जिनमें से फिलहाल 184 सीटों पर ममता बनर्जी का कब्जा है। इसके अलावा, कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ कर 42 सीटों पर कामयाबी हासिल की थी। आज भले ही हर कोई भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का रोना रो रहा है। मगर कहने को आम आदमी सरकार के खिलाफ कोई खास शिकायत करता नहीं दिखता है। लेकिन वोट के नाम पर उसकी प्राथमिकता चुप्पी है। कम से कम ममता बनर्जी का खुला विरोध तो बिल्कुल नहीं है।

अहम नतीजे लालगढ़ जैसे उन नक्सल-प्रभावित इलाकों से आएंगे, जिन्होंने पिछले चुनावों में वाम मोर्चे की सरकार के खिलाफ ममता बनर्जी का साथ दिया था, इस वादे पर भरोसा करके कि ममता नक्सली समूहों के मुताबिक राज्य की दशा और दिशा बदलेंगी। लेकिन सत्ता में आते ही ममता ने माओवादियों के प्रति जिस तरह के बयान दिए, जैसी बेरुखी दिखाई, उसने नक्सली समूहों को निराश किया। अब देखना यह है कि इन चुनावों में माओवादी और उनके समर्थकों के बीच ममता को लेकर फैली निराशा का हश्र क्या होता है। आज हालत यह है कि अपनी पार्टी बनाने से पहले के अपने राजनीतिक प्रशिक्षण के कारण ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनने पर आत्ममुग्ध दिखती हैं। इसकी मिसाल उनके शासनकाल में बनाए गए प्रतीक्षालयों में सजी उनकी तस्वीरें हैं। होर्डिंग्स की भी कोई कमी नहीं। सरकारी योजनाओं को कैसे अपने नाम करना है, यह भी उन्हें बखूबी मालूम है। लिहाजा अंत्योदय के तहत दिए जाने वाले दो रुपए किलो चावल और साढ़े तीन रुपए किलो आटे का श्रेय वे खुद ही बटोर जाती हैं।

भारत की चिंता

भारत ने एक बार फिर चीन से दो टूक कहा है कि आतंकवादियों के बीच विभेदीकरण नहीं हो सकता; सभी आतंकवादी एक समान हैं और उनसे एक सिद्धांत के तहत निपटा जाना चाहिए। रक्षामंत्री मनोहर पर्रीकर की चीन यात्रा में यों तो अनेक द्विपक्षीय मसले उठे, पर नया मसला जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगवाने की भारत की कोशिशों पर चीन की तरफ से डाली गई बाधा का था। भारत के लिए यह मुद्दा क्यों इतना अहम है, बताने की जरूरत नहीं। इस साल के शुरू में पठानकोट के वायुसैनिक ठिकाने पर हुए आतंकी हमले के पीछे मसूद अजहर का हाथ होने के तथ्य सामने आ चुके हैं।

लेकिन उसे संयुक्त राष्ट्र की तरफ से प्रतिबंधित किए जाने की भारत की कोशिश चीन के रवैए की वजह से नाकाम हो गई। गौरतलब है कि आतंकवाद से जुड़े मामलों में प्रतिबंध के प्रस्तावों पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक समिति विचार करती है। इस समिति में चीन समेत पंद्रह सदस्य शामिल हैं। जब मसूद अजहर को प्रतिबंधित करने का भारत का प्रस्ताव आया तो समिति के किसी भी और सदस्य ने नहीं, सिर्फ चीन ने उसका विरोध किया। चूंकि समिति में कोई भी प्रस्ताव सर्वसम्मति से ही पारित हो सकता है, इसलिए भारत का प्रस्ताव गिर गया। पर भारत ने हार नहीं मानी है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी दूत अकबरुद्दीन ने पिछले दिनों यह मामला महासभा में उठाया और कहा कि प्रतिबंध समिति के सर्वसम्मति के प्रावधान और उसके फैसले की वजहें औपचारिक रूप से महासभा को न बताए जाने के नियम पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। अगर 'गोपनीयता' का आवरण रहेगा, तो महासभा को कैसे मालूम होगा कि किसी प्रस्ताव को क्यों स्वीकार या खारिज किया गया। फिर, हाल में मसूद अजहर का मुद्दा सुषमा स्वराज ने भी चीन के विदेशमंत्री वांग ई से हुई बातचीत के दौरान उठाया था। अब रक्षामंत्री मनोहर पर्रीकर ने भारत की चिंता से चीन को अवगत कराया है।

द्विपक्षीय वार्ताओं में भी और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी चीन आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता दोहराता आया है। फिर, मसूद अजहर के खिलाफ आए प्रस्ताव पर उसने असंगत रुख क्यों अपनाया क्या इसलिए कि वह भारत और पाकिस्तान के आपसी मामलों में नहीं पड़ना चाहता पर क्या मसूद अजहर पाकिस्तान का अधिकृत प्रतिनिधि है अगर चीन को पठानकोट हमले के पीछे मसूद अजहर का हाथ होने का पक्का भरोसा नहीं हो पाया है, तब भी पहले के उसके रिकार्ड प्रतिबंध के प्रस्ताव को हां कहने के लिए काफी थे। भारत में हुए ज्यादातर आतंकी हमले लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद ने ही अंजाम दिए हैं, और मसूद अजहर निर्विवाद रूप से जैश का प्रमुख है।

फिर, तालिबान और अलकायदा से तार जुड़े होने के कारण जैश को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंधित कर रखा है।

प्रशासन का दायरा

लोकसेवा दिवस के अवसर पर लोकसेवकों यानी नौकरशाहों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उनसे कहा कि वे बंद दायरे में काम करने के बजाय देश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए बदलाव के वाहक बनें। बेशक यह अच्छा संदेश है, पर क्या ऐसा हो पाएगा! यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि नौकरशाही को इतनी स्वायत्तता हासिल नहीं है कि वह स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सके। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे राजनीतिक नेतृत्व के तहत ही काम करना पड़ता है। फिर, हमारे देश में नौकरशाही के काम करने की शैली अंग्रेजी हुकूमत के जमाने में विकसित हुई थी और अब भी वह ढर्रा बहुत हद तक कायम है। इसलिए प्रशासन और आम जन के बीच एक खाई बनी हुई है।

प्रशासन को जनतांत्रिक तकाजों के अनुरूप यानी उसे लोगों के प्रति अधिक संवेदनशील और अधिक जवाबदेह बनाने के मकसद से समय-समय पर आयोग बने, समितियां गठित हुईं। पर उन आयोगों और समितियों की रिपोर्टें धूल खा रही हैं। इसलिए कि उनकी सिफारिशों पर अमल करने की इच्छाशक्ति हमारे राज्यतंत्र या राजनीतिक नेतृत्व ने नहीं दिखाई। पुलिस सुधार के लिए बनी सोली सोराबजी समिति की रिपोर्ट तो सुप्रीम कोर्ट की कई बार की हिदायत के बाद भी लागू नहीं हो पाई। अमल न करने के पीछे राज्य सरकारों की दलील रही है कि

इन्हें लागू करना उनके अधिकारों में कटौती करना होगा; फिर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उनके दायित्व के पालन में कठिनाई भी आएगी।

पर असल वजह यह है कि पुलिस पर अपना अंकुश कोई भी सरकार कम करना नहीं चाहती। दूसरी समितियों या आयोगों की सिफारिशें भी इसीलिए लागू नहीं की गईं, क्योंकि उन्होंने प्रशासनिक निर्णयों और कामकाज की संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने की अपेक्षा करते हुए उन्हें राजनीतिक दखलंदाजी से मुक्त रखने पर जोर दिया था। जो राजनीतिक संस्कृति प्रशासन से मनमाने ढंग से काम लेने, तबादलों के जरिए किसी को पुरस्कृत तथा किसी को दंडित करने की आदी हो चुकी है, उसे कानून का शासन तथा निष्पक्षता के मूल्य कैसे रास आ सकते हैं!

इसलिए हैरत की बात नहीं कि भले स्वच्छ प्रशासन का दम भरा जाता हो, पर कहीं संजीव चतुर्वेदी जैसे सतर्कता अधिकारी को प्रताड़ित होना पड़ता है तो कहीं अशोक खेमका जैसे आईएएस अधिकारी को बार-बार तबादले का दंश सहना पड़ता है। एक दशक से ज्यादा समय से हर साल बीस-इक्कीस अप्रैल को सिविल सर्विस डे यानी लोक सेवा दिवस मनाया जाता रहा है। इस अवसर पर अधिकारियों का मनोबल बढ़ाने, देशसेवा में बढ़-चढ़ कर योगदान के लिए आह्वान करने, आपसी सहयोग बढ़ाने जैसी भली-भली बातें की जाती रही हैं। प्रधानमंत्री ने अफसरों की हौसला आफजाई की, तो इसका मौका भी था और दस्तूर भी। उनकी चिंता यह भी रही होगी कि कई बड़ी सरकारी परियोजनाएं ठप हैं और कई प्रमुख कार्यक्रमों में अपेक्षित गति नहीं आ पा रही है।

निश्चय ही, सरकार के फैसलों, नीतियों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का दारोमदार नौकरशाही पर रहता है। अफसर अधिक तत्परता और अधिक कुशलता से काम कर सकें, इसके लिए यह भी देखना होगा कि उन पर प्रक्रियाओं तथा औपचारिकताओं का बोझ कैसे कम किया जाए। इसके लिए कई सुझाव प्रशासनिक सुधार की खातिर समय-समय पर बनी समितियों की रिपोर्टों में मौजूद हैं।

दूसरी नज़र : कश्मीर अपना, कश्मीरी पराए

'मैं कौन हूं' यह एक ऐसा प्रश्न है जिसका संतोषजनक उत्तर कोई नहीं दे सकता। जैसे एक व्यक्ति अपनी अस्मिता के प्रश्न का उत्तर चाहता है, उसी तरह एक समुदाय जो वासस्थान, भाषा, धर्म, संस्कृति, इतिहास, वेदना आदि कई पहचानों से जुड़ा होता है, जानना चाहता है कि वे कौन हैं और उनका उत्स कहां है। बहुत-से लोग पाते हैं कि उनकी पहचान इतिहास और परिस्थितियों ने निर्धारित कर दी है जिन पर उनका कोई बस नहीं था।

दो सौ साल के अंगरेजी शासन, स्वाधीनता संग्राम, विभाजन, आजादी, विलय, विशेष दर्जा, युद्ध, नियंत्रण रेखा, संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक बल और भारत का संविधान, अनुच्छेद 370 जिसका अंग है, इन सब ने 1947 से जम्मू व कश्मीर के इतिहास को आकार दिया है।

अस्मिता का संघर्ष

जम्मू-कश्मीर भारतीय संघ का एक राज्य है। जम्मू की जनता भारत से अपना नाता लगभग पूरी तरह स्वीकार कर चुकी है। लगता है लद्दाख के लोग भी यह मान चुके हैं, हालांकि वे कहीं अधिक स्वायत्तता चाहते हैं। अलबत्ता जो लोग कश्मीर घाटी में रहते हैं वे अपनी अस्मिता के संघर्ष में मुब्तिला हैं।

संघर्ष कश्मीरी के मन में घर कर गया है। इसका लावा समय-समय पर सड़कों पर फूट पड़ता है और हिंसा होती है। राज्यतंत्र हिंसा को सैन्यबल से कुचल देता है, पर हिंसा या सैन्यबल के इस्तेमाल से कोई हल नहीं निकला है।

कश्मीर के लोग अपने संघर्ष को धर्म, संस्कृति और इतिहास के चश्मे से देखते हैं। बाकी भारत के लोग उनके संघर्ष को विलय के ऐतिहासिक तथ्य और भारतीय संविधान के परिप्रेक्ष्य में देखते हैं।

हमें यह हरगिज नहीं भूलना चाहिए कि जिस भारत के लिए हम समर्पित हैं उसकी अवधारणा राज्यों के संघ की रही है। संघीय भारत के निर्माण की धारणा दरअसल समावेशिता की धारणा है। इस देश की विशालता और इसकी विविधता को देखते हुए यह कभी भी आसान काम नहीं था। भारत के कई हिस्से ऐसे हैं जहां रहने वाले लोग खुद को बेगाना और खौफजदा महसूस करते हैं। गरीबी बेगानेपन की एक मुख्य वजह है। दूसरी वजहें हैं उनका अलग-थलग पड़ जाना, संपर्क तथा संचार के साधनों का न होना और उनके धर्म या संस्कृति या भाषा या रीति-रिवाज पर हमले का भय।

समावेशिता की कला

अगर राष्ट्र-निर्माण के सत्तर साल के उद्यम का कोई सबक है तो वह यह है- एकरूपता, समावेशिता का विलोम है। हम उचित ही उस सब पर गर्व कर सकते हैं जिसे हमने समावेशिता की

कला के जरिए हासिल किया है। जनता के विभिन्न आंदोलनरत समूहों, खासकर सिखों, असमिया लोगों, मिजो तथा नगा समुदायों से भारत सरकार ने शांति समझौते किए। इस दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, विशेषकर आदिवासी बसाहट वाले इलाकों में।

जम्मू-कश्मीर भी ऐसे उदार व्यवहार का हकदार है। गृहमंत्री के तौर पर मैं इस बात का कायल था कि फौजी (या कानूनवादी) दृष्टिकोण से कश्मीर समस्या का समाधान नहीं हो सकता; इसके विपरीत यह केवल टकराव को और तीव्र बनाएगा। इसीलिए मैंने इस बात की तरफदारी की थी कि वहां सेना की सघन मौजूदगी में कमी की जाए, और अगर सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम को रद्द न किया जा सके, तो उसमें संशोधन जरूर किया जाए।

दो पहल ऐसी हुईं जिन्होंने धारणा बदलने में काफी मदद की। एक, सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल का कश्मीर दौरा और तमाम समूहों तथा व्यक्तियों से विस्तार से बातचीत। दो, तीन वार्ताकारों की नियुक्ति, जिन्होंने जम्मू-कश्मीर की सिविल सोसायटी से इस ढंग से संवाद का संबंध कायम किया जैसा पहले कभी नहीं हुआ था। इन दो पहलों के पहले और बाद में जो कदम उठाए गए वे हिंसा में कमी लाने में खासे मददगार साबित हुए- हिंसा जो राज्य के हाल के इतिहास की पहचान बन गई थी। इसे निम्नलिखित आंकड़ों से देखा जा सकता है-

कश्मीर घाटी के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा आज भी अपने को पीड़ित और बेगाना महसूस करता है। क्रिकेट मैच में भारतीय टीम के खिलाफ पाकिस्तानी टीम का पक्ष लेना या अलगाववादी नारे लगाना या आजादी की मांग करना यह सब वहां पहले भी बहुत सामान्य बात थी और अब भी है। सवाल यह नहीं है कि इस तरह का रुख रखने वाले सही हैं या गलत। हकीकत यह है कि वे वैसा रुख रखते हैं। सही प्रत्युत्तर है, जैसा हमने सीखा है, उनसे संपर्क, संवाद और विकास।

गलत प्रत्युत्तर है हरेक के गले में अति राष्ट्रवाद को जबरन ठूंसना या हरेक पर जबर्दस्ती एक सामाजिक आचार संहिता थोपना। राजस्थान में चार कश्मीरी विद्यार्थियों की पिटाई की गई, इस अफवाह की बिना पर कि वे बीफ पका रहे थे। पुलिस ने पीटने वालों के बजाय उन चार विद्यार्थियों को क्यों गिरफ्तार किया पुलिस को श्रीनगर के राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (एनआईटी) में घुसने और वहां नारे लगा रहे छात्रों पर लाठियां बरसाने की क्या जरूरत थी

आतंक का सिरा

यह जगजाहिर तथ्य है कि मादक पदार्थों की तस्करी का आतंकवाद से क्या रिश्ता है और इसने कैसे इससे निपटने के प्रशासनिक उपायों से लेकर सामाजिक उपचारों तक को जटिल बनाया है। फिर भी नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त गिरोहों और उनके तंत्र को ध्वस्त करना आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में प्राथमिकता नहीं पा सका है। हालांकि इन दोनों गतिविधियों के बीच अभिन्न संबंध होने पर लंबे समय से वैश्विक स्तर पर चिंता जताई जाती रही है। इसी क्रम में बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक विशेष सत्र को संबोधित करते हुए वित्तमंत्री अरुण जेटली ने कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी तंत्र का बढ़ता गठजोड़ विभिन्न क्षेत्रों की शांति, सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डालता है। इसी के मद्देनजर उन्होंने वैश्विक समुदाय से अपील की कि वह इसके खिलाफ अपनी साझा लड़ाई को सख्त करते हुए इनके वित्तपोषण को अवरुद्ध कर दे। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने नशीले पदार्थों की वैश्विक समस्या से निपटने के लिए एक नए मसविदे को स्वीकार किया है, जिसे पिछले महीने कमीशन ऑन नारकोटिक ड्रग्स ने विएना में तैयार किया था। दरअसल, आतंकियों ने मादक पदार्थों के कारोबार को पैसा जुटाने का अपना सबसे अहम जरिया बना लिया है। इस तरह सुरक्षा एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हुई हैं। यों, नशीले पदार्थों के तस्करों के तार दुनिया भर के गिरोहों से जुड़े हैं। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की वर्ल्ड ड्रग्स रिपोर्ट 2011 के मुताबिक समूचे दक्षिण एशिया में भारत मादक पदार्थों का सबसे बड़ा बाजार है। सवाल है कि अफगानिस्तान से चल कर पाकिस्तान के रास्ते भारत में पहुंचने वाले मादक पदार्थों पर काबू पाना हमारे देश के लिए मुश्किल क्यों बना हुआ है, जबकि पाकिस्तान की सीमा से जुड़ी हर गतिविधि पर सख्त निगरानी होने का दावा किया जाता रहा है। हैरानी की बात यह भी है कि अपने सूक्ष्म निगरानी तंत्र के बूते आतंकवादियों के तमाम ठिकानों की खोज कर लेने और कार्रवाई कर उन्हें नष्ट करने में कई बार कामयाब रहे देश आज भी मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े उनके तार को छिन्न-भिन्न कर पाने में नाकाम रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रींटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉम्लेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड़ एसजीएम नगर एन.एच.4 एन.आई.टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं.-HARHIN/2012/41589
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

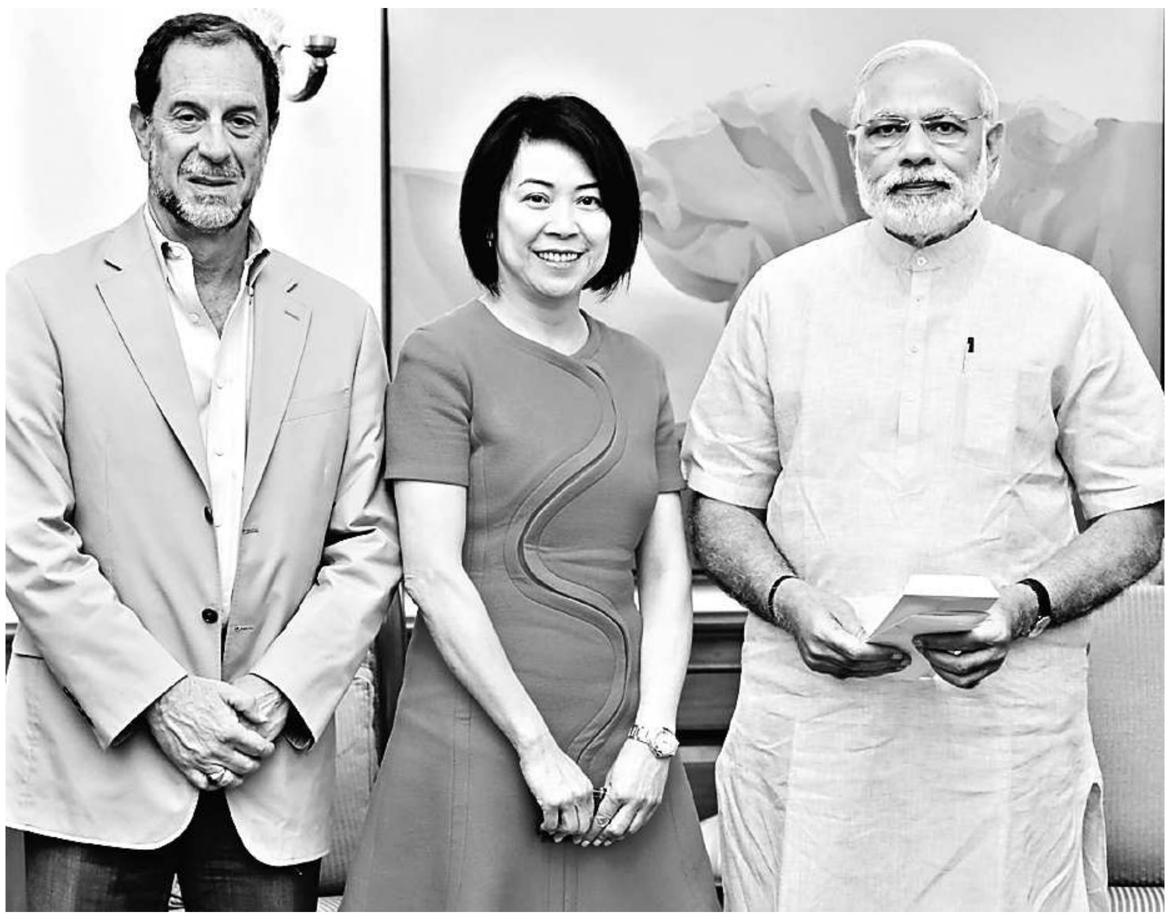

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में रूकुस वायरलेस की अध्यक्ष और मुख्यन कार्यकारी अधिकारी सुश्री सेलिना लो भेंट करती हुईं।

मैं PM बनने की रेस में नहीं, पर जिसे बनना है वह बनकर रहेगा

बिहार। बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं है। वह केवल गैर भाजपा पार्टियों को एकजुट करने के स्त्रोत बनने का काम कर रहे हैं। उन्होंने जदयू अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार लोगों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। वे भी देशभक्त हैं उन्हें संघ और भाजपा से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। नीतीश कुमार ने कहा,'हमने बिहार में जिस तरह से सफलतापूर्वक गठबंधन किया है वैसा ही प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहते हैं। मैंने हाल ही में संघमुक्त भारत की बात की। मैं प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी का दावा नहीं कर रहा हूं। ना ही मैं नेतृत्व करने का दावा कर रहा हूं। लोगों को एकजुट करना गुनाह है क्या।' भाजपा पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा,'बीजेपी को भ्रम हो गया है, हमारा प्रयास जारी रहेगा। मर्जर हो, अलायंस हो, अंडरस्टैंडिंग हो। अधिक से अधिक लोगों को एकजुटता की संभावना देख रहे हैं। हमारा इसमें स्वार्थ नहीं है।' उन्होंने आगे कहा,'प्लीज डिबेट को दबाइए मत। यदि कोई कहता है कि वह पीएम पद का उम्मीदवार है तो वह सात जन्म में भी नहीं बन सकता है। लेकिन किसी का पीएम बनना तय है तो वह बनकर रहेगा।' देशभक्ति के मुद्दे पर नीतीश ने कहा,'हम सभी देशभक्त हैं। लेकिन हमें आरएसएस और भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वे शुरू से ही भावुक मुद्दे उठा रहे हैं जैसे गौमांस, लव जेहाद, घर वापसी।' नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार पर योजनाओं का नाम बदलने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा,' उन्होंने राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना का नाम दीनदयाल उपाध्याय कर दिया लेकिन केंद्र-राज्य का हिस्सा 90:10 से घटाकर 60:40 कर दिया। केंद्र राज्यों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। ग्रामीण सड़क योजना और मनरेगा की अनदेखी की जा रही है।'

संक्षिप्त समाचार

IPL कमेंट्री से हटाए गए हर्षा भोगले का धोनी पर कटाक्ष- ऐसे मैच नहीं जीत सकते

नई दिल्ली। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने शुक्रवार को राइजिंग पुणे सुपरजायंटस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मैच के बाद महेंद्र सिंह धोनी को निशाने पर लिया। भोगले ने धोनी की बेंगलोर के खिलाफ धीमी पारी पर कटाक्ष किया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा,'180 से ज्यादा के स्कोर का पीछा करना है। 38 गेंद में 41 रन आपको मैच नहीं जीता सकते। किसी दिन ऐसा हो सकता है लेकिन ज्यादातर ऐसा नहीं होगा।' बेंगलोर के खिलाफ पुणे को 13 रन से हार झेलनी पड़ी थी। स्टीव स्मिथ के आउट होने के बाद धोनी बल्लेबाजी को उतरे थे। तीन चौकों से सजी पारी में धोनी ने 38 गेंद में 41 रन बनाए थे। उन्होंने अजिंक्या रहाणे के साथ मिलकर पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 91 रन जोड़े। एक समय पुणे के दो विकेट 18 रन पर गिर गए थे। वहीं केविन पीटरसन रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। हालांकि 16वें ओवर में धोनी हर्षल पटेल की गेंद पर सीमारेखा पर डिविलियर्स को कैच थमा बैठे। पहले खेलते हुए बेंगलोर ने विराट कोहली(80) और एबी डिविलियर्स(83) की पारियों की मदद से 3 विकेट पर 185 रन बनाए थे। पुणे को इस प्रतियोगिता में लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी। बता दें कि हर्षा भोगले को इस बार आईपीएल कमेंट्री के लिए चुना नहीं गया। खबरों के अनुसार वर्ल्ड टी20 में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भारतीय टीम की आलोचना करने के कारण उन पर गाज गिरी। उनकी कमेंट्री को लेकर अमिताभ बच्चन ने भी बिना उनका नाम लिखे ट्वीट किया था। टीम इंडिया के कप्तान एमएस धोनी ने भी इस ट्वीट को रीट्वीट किया था। साथ ही यह कभी कहा जा रहा है कि भारतीय खिलाड़ियों ने भी हर्षा भोगले की कमेंट्री को लेकर शिकायत की थी।

राज्यसभा की दौड़ में अनुपम खेर के नाम से भड़के कश्मीरी पंडित, कहा- हमारे लिए कभी कुछ नहीं किया

नई दिल्ली। अभिनेता अनुपम खेर का नाम राज्य सभा की सदस्यता चल रहा है। खबरों के अनुसार अनुपम को सातवें नामांकित सदस्य के रूप में संसद के ऊपरी सदन में भेजा जा सकता है। लेकिन इसी बीच उनके नाम पर विरोध भी शुरू हो गया है। कश्मीरी पंडितों के एक संगठन ने अनुपम खेर के नाम पर विरोध जताया है। कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय टिक्कू ने कहा कि यह अवसरवादिता की राजनीति की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा,'खेर इसके लायक नहीं है।

उन्होंने समाज के लिए क्या किया है। और भी बहुत सारे दिग्गज हैं जिन्होंने पंडित समुदाय के लिए काम किया है। पिछले एक साल से उन्होंने(अनुपम खेर) ने राज्य सभा सीट पर अपनी आंखें गड़ा रखी थी। इस अवधि में उन्होंने हमारा ज्यादा नुकसान किया है। दूसरे समुदाय के खिलाफ जहर उगलने से कुछ हासिल नहीं होगा।' टिक्कू यहीं नहीं रूके और कहा,' कश्मीर घाटी में 6000-7000 हिंदू रहते हैं, वे उनका मनोबल कैसे बढ़ाएंगे। हमने अभी तक अकेले यह किया है। उनके भाषणों के चलते हम असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। खेर ऐसा कैसे कह सकते हैं कि कोई भारतीय अगर तिरंगा नहीं रखता है तो वह राष्ट्रवादी नहीं है। वे अपने परिवार के साथ घाटी में शिफ्ट क्यों नहीं हो जाते। क्या वे कभी मेरे या किसी और परिवार से मिले हैं।' - बता दें कि पिछले साल अनुपम खेर ने इंटॉलरेंस और अवार्ड वापसी जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार का बचाव किया था। उन्होंने अवार्ड लौटाने वाले साहित्यकारों को भी निशाने पर लिया था। साथ ही उन्होंने अवार्ड वापसी अभियान के खिलाफ मोर्चा भी निकाला था। उन्होंने भारत माता की जय बोलने और जेएनयू जैसे मामलों में भी केंद्र सरकार के रूख का समर्थन किया था। बता दें कि उनकी पत्नी किरण खेर चंडीगढ़ से लोकसभा सांसद हैं।

इक्वाडोर में फिर महसूस हुए भूकंप के झटके, मरने वालों की संख्या 600 के पार

इक्वाडोर। इक्वाडोर में भूकंप के बाद के ताजा झटके महसूस किये गये हैं और मलबे में लोगों के जीवित बचे होने की उम्मीद अब सामाप्त होती जा रही है। लगभग एक सप्ताह पहले आए भारी भूकंप के कारण 600 से अधिक लोग मारे गये हैं और हजारों घायल हुये हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि गुरुवार (21 अप्रैल) को रात करीब 10 बजे (स्थानीय समयानुसार) पश्मोित्तर इक्वाडोर के समुद्र तट के पास 6.0 की तीव्रता वाला भूकंप आया था।

नवजोत सिद्धू को किया जा रहा है पंजाब से दूर : कौर

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और बीजेपी नेता नवजोत सिंह सिद्धू को राज्यसभा सदस्य मनोनीत किए जाने के फैसले पर उनकी पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने नाखुशी जताई है। मुख्य संसदीय सचिव और अमृतसर से पूर्व विधायक नवजोत कौर का मानना है कि पंजाब की राजनीति से दूर रखने के लिए उनके पति को राज्यसभा भेजा गया है। उन्होंने कहा कि सिद्धू हमेशा पंजाब के लिए काम करना चाहते हैं और लेकिन राज्यसभा जाने के बाद वह पंजाब से दूर हो जाएंगे। नवजोत ने कहा कि सिद्धू ने कभी पार्टी से कुछ भी नहीं मांगा। नवजोत कौर ने सिद्धू को राज्यसभा भेजे जाने के साथ ही अकाली दल के साथ गठबंधन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अकाली-भाजपा गठबंधन को बनाए रखने के लिए सरकार ने पहले ही उन्हें पंजाब से बाहर भेजने का फैसला कर लिया है। नवजोत कौर ने कहा, 'मैं पहले ही बता चुकी हूं कि हम अकाली दल के साथ चुनाव नहीं लड़ेंगे लेकिन 2017 का मुकाबला करने मैदान में जरूर उतरेंगे, किसके साथ, ये तो वक्त ही बताएगा।'

1 अप्रैल को आई थी इस्तीफे की खबर

नवजोत सिंह सिद्धू और उनकी पत्नी का पार्टी नेतृत्व के साथ टकराव चल रहा है। 1 अप्रैल को तो नवजोत कौर के इस्तीफे तक की खबर आ गई थी। एक चैनल ने उनके पीए के हवाले से दावा किया था कि नवजोत कौर ने सचमुच इस्तीफा दे दिया है और यह कोई अप्रैल फूल नहीं है। हालांकि, बाद में वह इस बात से पलट गई थीं।

नवाज को फिर सता रहा तख्तापलट का डर, सेना को दी धमकी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और सेना के बीच एक बार फिर तलवारें खिंचती दिख रही हैं। सेनाप्रमुख रहील शरीफ के साथ उनकी तल्खी उनके हालिया राष्ट्र के नाम संबोधन में भी दिखी। राष्ट्रीय टीवी चैनल पर नवाज शरीफ ने कहा कि वह सिर्फ अल्लाह और देश की जनता के प्रति जवाबदेह हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह पनामा पेपर में आए अपने परिवारों के खिलाफ किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। छह शीर्ष अधिकारियों को हटाने के बाद गुरुवार (21 अप्रैल) को सेनाप्रमुख रहील ने कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ जंग तब तक सफल नहीं हो सकती जब तक कि भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म नहीं किया जाता। उनका अप्रत्यक्ष इशारा प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को लेकर था, जिनका नाम पनामा पेपर्स में आया है। इसके ठीक एक दिन बाद शुक्रवार (22 अप्रैल) को प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अवाम के सामने सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। पाकिस्तानी मीडिया की मानें तो इस वक्त नवाज शरीफ काफी दबाव में हैं। पनामा पेपर्स में नाम सामने आने के बाद से विपक्ष लगातार उन पर निशाना साध रहा है। इस बीच पाकिस्तान के इलेक्शन कमीशन ने शरीफ की संपत्ति का ब्योरा जारी किया। इसके मुताबिक, 2011 में नवाज की संपत्ति 16.6 करोड़ थी, जो कि 2012 में बढ़कर 26.16 करोड़ और 2013 में 0.182 करोड़ और 2014 में बढ़कर 200 करोड़ हो गई। शरीफ पाकिस्तानी संसद के गिने चुने अरबपतियों में से एक हैं।

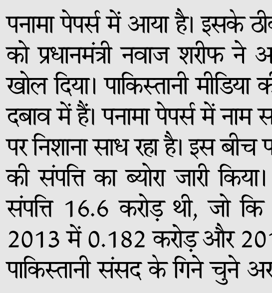

कुमार विश्वास ने ओबामा के नाम चिट्ठी के जरिए उड़ाया मोदी का मजाक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता कुमार विश्वास ने पीएम नरेंद्र मोदी निशाना साधा है। हालांकि, इस बार उन्होंने सीधे हमला नहीं किया है कि बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के नाम चिट्ठी के बहाने अपनी बात कही है। इस चिट्ठी में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को डियर बराक कहकर पुकारा है। आपको याद होगा कि जब बराक ओबामा भारत दौरे पर आए थे तब उन्हें पीएम मोदी ने बराक कहकर पुकारा था। विपक्षी दलों ने यह कहकर पीएम मोदी की आलोचना की थी कि किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष को नाम लेकर नहीं पुकारा जाता है। इसके अलावा कुमार विश्वास हाल ही में बनाए गए पीएम मोदी के मोम के पुतले पर भी चुटकी लेते दिखे।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में आयुष मंत्रालय की ओर से आयोजित अंतराष्ट्रीय योग उत्सव के समापन समारोह में उपस्थित। इस अवसर पर स्वामी रामदेव भी मौजूद रहे।

सीरिया में हवाई हमलों में 27 लोगों की मौत

अलेप्पो। एक निगरानी संस्था और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों में सरकारी सुरक्षा बलों की ओर से की गई बमबारी में कम से कम 27 आम लोगों की मौत हो गई। संघर्षविराम समझौते के बावजूद इतने बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है। एक स्थानीय नागरिक रक्षा कर्मी के मुताबिक अलेप्पो में 12 आम लोग मारे गए हैं । निगरानी संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि दमिश्क के पूर्व में स्थित डूमा नगर में 13 आम लोगों की मौत हुई है । डूमा पर विद्रोहियों का कब्जा है। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि होम्स प्रांत के तालबिसेह पर किए गए हमले में दो लोग मारे गए। ऑब्जर्वेटरी के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने कहा कि बढ़ती हिंसा का सीधा मतलब ये है कि सीरिया में संघर्षविराम बुरी तरह नाकाम हो गया है। अलेप्पो में मौजूद एएफपी के एक संवाददाता ने बताया कि स्थानीय समयानुसार शनिवार (23 अप्रैल) सुबह 10 बजे शहर पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए गए। काफी आबादी वाले बुस्तान अल-कसर जिले में भी हमले किए गए। लेकिन सबसे जानलेवा हमला शहर के पूर्वी छोर पर स्थित तारिक अल-बाब में किया गया। नागरिक रक्षा के एक सदस्य ने बताया कि वहां 12 आम लोग मारे गए।

बांग्लादेश में प्रोफेसर की हत्या, आईएस ने ली जिम्मेदारी

ढाका। पश्चिमोत्तर बांग्लादेश में आईएसआईएस के आतंकवादियों ने शनिवार (23 अप्रैल) को अंग्रेजी के एक प्रोफेसर की उनके घर के पास उस समय हत्या कर दी जब वह अपने विश्वविद्यालय जा रहे थे। मुस्लिम बहुल देश में ब्लॉगरों, बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं पर हुए बर्बर हमलों की श्रृंखला में यह ताजा घटना है। पुलिस ने बताया कि राजशाही शहर में राजशाही विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एएफएम रेजाउल करीम सिद्दीकी (58) पर उनके आवास से करीब 50 मीटर दूर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने हमला किया और धारदार हथियार से उनका गला रेत दिया। स्थानीय थाना प्रभारी शहादत हुसैन ने बताया, ''सुबह करीब साढ़े सात बजे हमलावरों ने प्रोफेसर पर पीछे से धारदार हथियारों से उस समय वार किया जब वह अपने घर से पैदल विश्वविद्यालय परिसर की ओर जा रहे थे।'' उन्होंने बताया कि अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर की तत्काल मौत हो गई और उनकी मौत के बाद हमलावर घटनास्थल से फरार हो गये। अमेरिका स्थित निजी खुफिया सेवा समूह एसआईटीई ने कहा कि इस्लामिक स्टेट ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। उसने एक ट्वीट में कहा कि आईएसआईएस की एजेंसी अमग ने राजशाही विश्वविद्यालय के प्रोफेसर की हत्या के लिए समूह की जिम्मेदारी की रिपोर्ट दी है। इसके पहले राजशाही के पुलिस आयुक्त मोहम्मद शम्सुद्दीन ने घटनास्थल पर संवाददाताओं को बताया कि ''हत्या के तरीके से लगता है कि यह इस्लामी आतंकवादियों का काम हो सकता है।''

e-mail :
mnewsdaily2008@gmail.com

हाइड्रोपैथी में पानी के जरिए होता है रोगों का उपचार

क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर पंचतत्व हैं जिनसे हमारा शरीर बना है। हमारे जीवन में जल के महत्व से सभी परिचित हैं। जल की संरचना में दो भाग हाइड्रोजन और एक भाग ऑक्सीजन का योगदान होता है। छह प्रकार के रसों, मधुर, कटु, अम्ल, लवण, कषाय तथा तिक्त के स्वाद का अनुभव हम जल के कारण ही कर पाते हैं।

थकावट, सुस्ती, बेहोशी, नींद और कोष्ठ बद्धता को दूर करने में जल की भूमिका किसी से भी छिपी नहीं है। स्नान करने पर यह शरीर को निर्मल और तरोताजा बनाता है। यह शरीर के भीतर-बाहर के सभी दोषों को दूर कर देता है

हाइड्रोपैथी अर्थात पानी से उपचार में सोच समझ कर पानी का इस प्रकार प्रयोग किया जाता है कि विभिन्न शरीर के भागों जैसे आमाशय छोटी आंत, बड़ी आंत, मूत्राशय, मलाशय आदि में जमे दोषों को शरीर से निकाल देता है। कोष्ठ बद्धता (कब्ज) जो अनेक रोगों की जननी है, के निराकरण के लिए जल-चिकित्सा सबसे अच्छा उपाय है। संसार की प्राचीनतम पुस्तक ऋग्वेद में भी जल की महत्ता का वर्णन किया गया है। इसमें जल को औषधि तथा समस्त रोगों का नाशक कहा गया है।

हमारे शरीर में लगभग 70 प्रतिशत जल है। जल का सबसे प्रमुख कार्य हमारे शरीर को कठोर बनाना है। हर एक बदलते मौसम के अनुरूप शरीर को ढालने के लिए जल के गुणों का विभिन्न प्रकार से लाभ उठाया जा सकता है। नंगे पैर फर्श पर या गीली ओस पर सैर करने से हमारे मस्तिष्क और आंखों में विशेष तरावट पहुंचती है और शरीर को अभूतपूर्व शांति का अहसास होता है। नंगे पैरों गीले पत्थरों पर चलने से शरीर में उपस्थित अनावश्यक गर्मी खत्म हो जाती है। जिन लोगों को पैरों के तलुओं में %बर्निंग सैन्सैशन% की शिकायत हो उनके लिए यह सबसे अच्छा उपाय है। पित्तजनित रोगों के निदान के लिए शीतल जल में चलना लाभकारी हो सकता है। ठंडे जल से हाथ मुंह धोने तथा बर्फबारी के तुरंत बाद बर्फ पर चलने से शरीर को चैतन्य की प्राप्ति होती है, उसमें चुस्ती-फुर्ती आ जाती है। इसी प्रकार घुटनों, सिर और गर्दन पर शीतल जल का धारापात भी स्वास्थ्यवर्धन का अचूक साधन है। क्योंकि जल का सबसे बड़ा गुण यही है कि यह संपर्क में आते ही शीघ्रता से उसकी उष्णता सोख लेता है। नंगे पैर चलने का धारापात की अवधि का निर्णय आप स्वयं ही कर सकते हैं।

स्वस्थ शरीर के लिए भोजन और व्यायाम के साथ-साथ स्नान को भी महत्वपूर्ण माना गया है। दैनिक स्नान का महत्व इसी बात से स्पष्ट है कि भारतीय धर्मग्रन्थों में स्नान को नित्य कर्तव्य माना गया है। गर्मियों में प्रातः व सायं दो बार स्नान करना चाहिए। शीतकाल में एक बार स्नान करना अति-आवश्यक है। जो व्यक्ति शीतकाल में प्रतिदिन नहीं नहाते उन्हें कई रोग आ घेरते हैं। साथ ही उनका स्वभाव भी चिड़चिड़ा हो जाता है। जिस प्रकार पेशाब के द्वारा शरीर से क्लोराइडस तथा नमक आदि निकल जाते हैं, उसी प्रकार शरीर के भीतर के दूषित अम्ल तथा अन्य अपशिष्ट द्रव्य हमारी त्वचा पर बने रोमकूपों से पसीने के रास्ते निकल जाते हैं। प्रतिदिन शरीर को जल से धोया जाना चाहिए अन्यथा पसीने के साथ निकले पदार्थों से रोमकूप बंद हो जाएंगे, इससे पसीना निकलने का मार्ग अवरुद्ध हो जाएगा जिससे शरीर के भीतर के विषैले पदार्थ रक्त में मिल जाएंगे और अनेक प्रकार के रोग आ घेरेंगे।

जल की कितनी मात्रा का उपयोग किया जाए यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके शरीर की प्रकृति कैसी है ठंडी अथवा गर्म। इसके अतिरिक्त आदत, उम्र, समय तथा शारीरिक स्वास्थ्य का स्तर भी प्रयोग किए जाने वाले जल की मात्रा को प्रभावित करता है। गर्मियों में ताजे, ठंडे, निर्मल जल का प्रयोग करना चाहिए जबकि सर्दियों में या शीत ऋतु में सहन करने योग्य गर्म जल का प्रयोग किया जाना चाहिए।

जल का दूसरा मुख्य उपयोग है जलपान। रक्त जो हमारे शरीर के अंग के पोषण के लिए उत्तरदायी है, जल के सहयोग के बिना कार्य नहीं कर सकता। भोजन पचाने तथा शरीर द्वारा उसका अवशोषण कराने का काम भी जल के बिना संभव नहीं है। शरीर से समस्त विषैले तत्वों को शरीर से बाहर धकेलने का काम भी जल के द्वारा ही किया जाता है। हमारे फेफड़ों से बाहर निकाली गई सांस के रूप में, मलाशय से मल के रूप में तथा मूत्रेन्द्रयि से मूत्र के रूप में पानी ही बाहर निकलता है। जल ही शरीर के सभी अंगों के विषैले तत्व ढोकर बाहर निकालता है। फेफड़े, त्वचा, आंतें, आमाशय, गुर्दे तथा हृदय अपना-अपना काम करने के लिए जल की शक्ति पर ही निर्भर रहते हैं। जल केवल अपशिष्ट पदार्थों को शरीर से निकालने का ही कार्य नहीं करता अपितु यह एक अनिवार्य जीवन तत्व भी है। इसके बिना जीवित नहीं रह सकते। शरीर में जल की अत्यधिक कमी से डिहाइड्रेशन हो सकता है और रोगी की मृत्यु भी हो सकती है। इसलिए उल्टी या दस्त के जरिए शरीर से अत्यधिक जल निकलने की स्थित मिंं तुरंत जल की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए।

भोजन करने से पहले कभी पानी नहीं पीना चाहिए परंतु यदि प्यास ज्यादा हो तो एक-दो घूंट पानी पिया जा सकता है। परंतु अधिक पानी पीने से जठराग्नि (पेट की भूख) शांत हो जाती है। आरोग्य के नियम के अनुसार भोजन के दौरान अधिक पानी पीने या बिल्कुल पानी न पीने से भोजन नहीं पचता। अपनी भूख और हाजमे को तेज करने के लिए खाने के साथ बार-बार घूंट-घूंट पानी पीना चाहिए परंतु ध्यान रहे अधिक पानी नहीं पीना चाहिए।

प्यास की अनदेखी करना उचित नहीं होता। इससे अनेक बीमारियां हो सकती हैं। बुखार होने की स्थित मिंं भी रोगी को प्यास लगने पर पानी अवश्य देना चाहिए। यह बात आधारहीन है कि बुखार में पानी पीने से नुकसान होता है। जुकाम में भी पानी जरूर पीना चाहिए। पथरी, मोटापा, पीलिया, वायु रोग तथा कब्ज में प्रतिदिन दस-बारह लीटर जरूर पानी पीना चाहिए। उपवास में भी पानी जरूर पीना चाहिए अन्यथा उपवास सफल नहीं होता। यों तो जितनी प्यास लगे उतना पानी पीना चाहिए परंतु एक बार में आधा लीटर से ज्यादा पानी नहीं पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से अफारा और पेट-दर्द हो जाता है। भोजन करते समय पेट का केवल आधा भाग ही भोजन से भरना चाहिए। एक भाग पानी से भरना चाहिए तथा एक भाग वायु संचरण के लिए खाली छोड़ देना चाहिए। कुछ लोग प्यास लगने पर पानी के अतिरिक्त अन्य पेय पदार्थ पीकर प्यास बुझाना पसंद करते हैं। यह प्रकृति के विरुद्ध है। पहले-पहल ऐसे लोग कब्ज के शिकार होते हैं और बाद में विविध रोग उन्हें घेर लेते हैं।

पर्याप्त मात्रा में ताजा जल का सेवन करने से पाचन संस्थान सही कार्य करता है, इससे रक्त संचार भी मंद नहीं पड़ता। चेहरे पर स्वाभाविक चमक भी जल के कारण ही होती है। ताजा जल ही हमारा जीवन है इस बात को समझते हुए हमें उचित मात्रा में स्वच्छ तथा ताजा जल का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

रसोईघर का ही नहीं, बीमारियों की दवा भी है अदरक

मसाले के रूप में अदरक का प्रयोग लगभग पूरे संसार में किया जाता है। जिंजिबेरासी परिवार से संबंध रखने वाले अदरक का वनस्पतिक नाम जिंजिबेर ओफ्फिचिनाले रोस्को है। यह एक प्रकार का कंद देने वाला पौधा है जिसकी खेती कंकरीली दोमट मिट्टी में अच्छी होती है जहां पानी का ठहराव नहीं होता। अदरक को सुखाकर

सोंठ बनाई जाती है इसका भी मसाले तथा औषधि के रूप में व्यापक प्रयोग होता है। आयुर्वेद में अदरक को रूचिकारक, पाचक, स्निग्ध, उष्ण वीर्य, कफ तथा वातनाशक, कटु रस युक्त विपाक में मधुर, मलबंध दूर करने वाली, गले के लिए लाभकारी, श्वास, शूल, वमन, खांसी, हृदय रोग, बवासीर, तीक्ष्ण अफारा पेट की वायु, अग्निदीपक, रूक्ष तथा कफ को नष्ट करने वाली बताया गया है। जुकाम में चाय में अदरक के साथ तुलसी के पत्ते तथा एक चुटकी नमक डालकर गुनगुनी अवस्था में पीने से लाभ मिलता है। गले में खराश होने या खांसी होने पर ताजा अदरक के टुकड़े को नमक लगाकर चूसने से आराम मिलता है। बुखार, फ्लू आदि में अदरक तथा सौंफ के रस में शहद मिलाकर सेवन करने से शीघ्र पसीना आकर बुखार उतर जाता है। ऐसे में अदरक की चाय भी फायदेमंद होती है। गला पकने या इन्फ्लुएंजा होने पर पानी में अदरक का रस तथा नमक मिलाकर गरारे करने से शीघ्र लाभ मिलता है। पेट संबंधी समस्याओं के निदान में भी अदरक बहुत लाभदायक सिद्ध होता है। अफारे और अजीर्ण में सोंठ का चूर्ण, अजवायन, इलायची का चूर्ण लेकर मिलाकर पीस कर रख लें। दिन में प्रत्येक भोजन के बाद इसका सेवन करें। बच्चों के पेट में दर्द की शिकायत होने पर अदरक का रस दूध में मिलाकर पिलाना चाहिए इससे गैस तथा अफारे की समस्या दूर हो जाती है। सोंठ और गुड़ की बनी गोलियों के नियमित सेवन से, आंव आने की समस्या का समाधान हो जाता है। आमाजीर्ण में भी सोंठ और गुड मिलाकर सेवन करना चाहिए इससे पाचक अग्नि ठीक हो जाती है। गजपिप्पली और सोंठ के चूर्ण का दूध के साथ सेवन पेट के विकारों के लिए एक आदर्श औषधि है।

पेट की गैस कहीं बड़ी समस्या में न बदल जाए

कल पेट में गैस बनना एक साधारण बात हो गई है। पाचन तंत्र में विकार उत्पन्न होने की वजह से उदर और आंतों में गैस की समस्या उत्पन्न हो जाती है है। गैस बनना किसी रोग का लक्षण भी हो सकता है। अधेड़ उम्र के लोग इससे अधिक पीड़ित रहते हैं। क्योंकि इस उम्र में पाचन क्रिया कमजोर होने लगती है। लोग अक्सर इसे आम समस्या समझकर नजर अंदाज कर दिया करते हैं।

गैस उदर या आंतों में बनती है। उदर व आंत शरीर के वे भाग हैं जिसमें आहार का पाचन होता है। पाचन के लिए आमाशयिक रस की जरूरत होती है। अमाशयिक रस में एंजाइम, पेप्सिन, लाइपेज और रेनिन होते हैं। पेप्सिन, हाइड्रो क्लोरिक अम्ल के साथ मिलकर प्रोटीन को पेप्टीन में बदलता है। रेनिन, दूध के केसीनोजन को गाढ़ा करता है और लाइपेज वसा का पाचन कराता है। अमाशयिक रस द्वारा ही कुछ विषैले पदार्थ जैसे विष, धातु, अल्केलोइड्स आदि निकलते हैं। अनावश्यक जीवाणुओं व कीटाणुओं का नाश भी अमाशयिक रस के द्वारा ही होता है। खाने की चीजों के पाचन के लिए अमाशयिक प्रक्रिया के दौरान पोषक तत्व सोख लिए जाते हैं, और अनचाहे अवशेष मलमूत्र के रूप में शरीर से बाहर निकल जाते हैं। पाचन क्रिया के तहत रासायनिक प्रक्रिया होती है और गैस बन जाती है। गैस का अधिक या कम बनना पाचन शक्ति, व्यक्ति की आयु, शारीरिक और मानसिक रोग और खाने की चीजों के मिश्रण आदि पर निर्भर होता है।

पेट की गैस दो प्रकार की होती है। एक तो वह जो भोजन करते समय हमारे पेट में पहुंच जाती है। जैसे- नाइट्रोजन, ऑक्सीजन। दूसरी कार्बन डाइआक्साइड, हाइड्रोजन और मीथेन है जो पाचन प्रक्रिया के दौरान आंतों में बनती है। एक स्वस्थ व्यक्ति में ये गैसें कम मात्रा में होती हैं जो कि मलद्वार या डकार से आसानी से बाहर निकल जाती हैं। परन्तु अधिक मात्रा में गैस बनने और पाचन क्रिया के दौरान इसके भोजन में मिलने के कारण इससे कष्ट देने वाले लक्षण पैदा होने लगते हैं। इन लक्षणों में मुख्य है- खाना खाने के एक या दो घंटे पश्चात पेट में भारीपन महसूस होता है और सांस लेने में भी तकलीफ होती है तथा मलद्वार से अधिक गैस निकलने के कारण आंतों में अनपचे कार्बोहाइड्रेट का बैक्टीरिया द्वारा फर्मेंटेशन होता है। ये गैसें अधिकतर हाइड्रोजन कार्बन डाईआक्साइड और मीथेन होती हैं। सामान्यतः इनमें कोई गंध नहीं होती।

पेट के दर्द की वजह गैस नहीं है। दर्द आंतों की गतिशीलता में कमी की वजह से होता है। ज्यादा गैस बनना किसी गंभीर रोग से संबंधित हो सकता है। खट्टी डकारें आना, पेट का फूलना और मलद्वार से दुर्गंधमय गैस निकलने को नजरअदांज नहीं किया जाना चाहिए। इन का पूरा इलाज होना जरूरी है। उदर के रोग जैसे गैस्ट्राइटिस, पेट में अल्सर या पेप्टिक कैंसर, आंतों के रोग एंट्राइटिस, अल्सर, एमीबाइसिस तथा जिआर्डिएसिस आदि से भी गैस की समस्या हो सकती है।

इसके अलावा हवाई यात्रा में भी गैस विकार की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। हवाई यात्रा के दौरान इस रोग से ग्रस्त लोगों को अधिक सावधानी की आवश्यकता होती है क्योंकि हवाई जहाज में वायुमण्डल का दबाव कम होने के कारण उदर की गैस आयतन में तीस प्रतिशत की वृद्धि हो जाती है और कष्टदायक लक्षण सामने आने लगते हैं।

मुंह और सांस लेने के अंगों में विकारों की वजह से भी गैस की समस्या हो सकती है। नाक, सांस में बाधा, टौंसिल और एडिनाइड का इलाज आसानी से संभव हो सकता है और अगर गैस की समस्या इनके कारण से हो तो उसे दूर किया जा सकता है। इसी तरह दांतों के विकार और कृत्रिम दांतों की बनावट के कारण होने वाले विकार भी गैस के लक्षण हो सकते हैं। शिशुओं में भी गैस विकार की समस्या पाई जाती है। शिशु मां से या बोतल से दूध पीते समय मुंह से हवा अंदर ले लेते हैं। इस प्रकार दूध के साथ-साथ आक्सीजन और नाइट्रोजन गैसें भी उनके पेट में पहुंच जाती हैं। यदि पेट में गैस ज्यादा मात्रा में हो जाती है तो वह दूध पीना छोड़ देता है और बेचैनी महसूस करता है, रोने लगता है और यदि यह गैस समय पर डकार द्वारा नहीं निकलती है तो या तो शिशु उल्टी कर देता है या फिर उसे असमय ही गैस के साथ मल हो जाता है। गैस निकालने के लिए बच्चे को दूध पिलाने के बाद कंधे से लगाकर पीठ थपथपानी चाहिए, जब तक कि वह डकार न ले ले। गैस के विकार से होने वाली समस्या से बचने के लिए खाने-पीने में सफाई की आदत की जरूरत होती है। जल्दी-जल्दी जरूरत से ज्यादा खाना, खाते समय, चिंता या मानसिक तनाव से ग्रस्त होना, भोजन के समय बीच-बीच में ज्यादा पानी पीना आदि गैस की परेशानी को और अधिक बढ़ाते हैं। जुलाब की गोलियों का बार-बार इस्तेमाल भी हानिकारक होता है। गैस के अलग-अलग शारीरिक और रोगात्मक कारण होते हैं इसलिए हर किसी के लिए एक सा भोजन उपयुक्त नहीं होता। जिन खाने की चीजों से गैस बनने की संभावना हो उनसे बचना चाहिए। कोका कोला, पेप्सी, सोड़ा आदि पेय ज्यादा गैस पैदा करते हैं क्योंकि इन सब में कार्बन डाईआक्साइड तथा सोड़े की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसी खाने की चीजों से भी बचना चाहिए जिन में लेक्टोज की मात्रा ज्यादा होती है। बच्चों को लेक्टोज रहित आहार के तहत न्यूट्रा माइजेन जैसे एमिनो एसिड, प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट या फिर सोयाबीन का दूध दिया जा सकता है।

कई बीमारियाँ दूर कर सकती हैं एक्यूपंक्चर की सुइयाँ

चालीस वर्षीया अनिता माइग्रेन से पीड़ित थीं, उन्होंने काफी इलाज करवाया परंतु कोई फायदा नहीं हुआ। हालत यहां तक पहुंच गई कि इससे उनका रोजमर्रा का जीवन भी प्रभावित होने लगा। ऐसे में उन्होंने एक्यूपंक्चर चिकित्सा पद्धति का सहारा लेने का निर्णय लिया। इलाज के लिए डॉक्टरों ने शरीर के विभिन्न हिस्सों में सुइयां चुभोईं। इस पद्धति से इलाज के पहले दिन ही उन्हें बेहतर महसूस हुआ। बाद में इसके आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए और अब वह बिल्कुल ठीक है। एक्यूपंक्चर की इन सुइयों की चुभन हमें अनेक बीमारियों से निजात दिला सकती है। ऐसे में इनकी उपयोगिता पर शक यकीनन कोई भी नहीं करेगा।

ऐलोपैथिक चिकित्सा के इस युग में एक्यूपंक्चर सबकी जिज्ञासा का विषय है। इस चिकित्सा पद्धति में शरीर के कुछ निश्चित बिन्दुओं पर

सुइयां चुभोकर विभिन्न रोगों का इलाज किया जाता है। यह पद्धति एक्यूप्रेशर चिकित्सा पद्धति से कुछ हद तक अलग है परंतु दोनों चिकित्सा पद्धतियों के मूल सिद्धान्त लगभग समान ही हैं।

प्राचीन एक्यूपक्चर का प्रारंभ चीन में हुआ। चीनी टेओइस्ट धर्म के अनुसार येंग व यिग नामक दो विपरीत अवस्थाओं पर शरीर की सामान्य व्यवस्था निर्भर करती है। येग अवस्था उजाले, सूर्य दक्षिण, पुरुषत्व और सूखेपन से संबंधित है जबकि यिन अवस्था अंधेरे, चन्द्रमा, उत्तर स्त्रीत्व और गीलेपन से संबंधित है। इस मान्यता के अनुसार येग और यिग अवस्थाओं में असंतुलन होने पर ही कोई रोग उत्पन्न होता है। एक्यूपंक्चर चिकित्सा प्रणाली इन्हीं दो अवस्थाओं में संतुलन बनाने में सहायक होती है। भारत, मंगोलिया और चीन जैसे देशों के प्राचीन चिकित्सकीय ग्रंथों में एक्यूपंक्चर चिकित्सा पद्धति में मानव शरीर के कुछ दबाव पर चिकित्सा पद्धति टिकी है। इस पद्धति में शरीर में स्थित दबाव केन्द्रों और नसों में एक विशेष प्रकार की सुई चुभाकर रोग का उपचार किया जाता है। ये सुइयां पीतल या अन्य धातु की बनी होती है, जिनकी लंबाई 2 से 2.5 सेटी मीटर हो सकती है। मानव शरीर पर एक से आठ सौ बिन्दुओं तक इन्हें चुभाया जा सकता हैं। विभिन्न दबाव बिन्दुओं पर न तो इन्हें अधिक गहरा चुभाया जाता है और न ही इन्हें चुभाने में कोई खास दर्द महसूस देता है। इन सुइयों को चुभाने से मस्तिष्क तथा रीढ़ की हड्डी में एक विद्युतीय धारा उत्पन्न होती है जिससे सम्पूर्ण शरीर प्रभावित होता है।

एक्यूपंक्चर ट्रीटमेंट दिए जाने की अवधि क्या हो? इसका कोई निश्चित उत्तर नहीं है। विभिन्न रोगों के लिए यह अवधि अलग-अलग होती है। पुराने तथा असाध्य रोगों के इलाज के लिए प्रतिदिन कम से कम दो बार यह चिकित्सा दी जानी चाहिए। सुई चुभाकर रखने की अवधि कुछ मिनटों से लेकर घंटों की हो सकती है। जब चिकित्सक को यह विश्वास हो जाता है कि इस चिकित्सा से रोगी ठीक हो जाएगा तो चिकित्सा की अवधि को कम कर दिया जाता है और इलाज सप्ताह में केवल एक या दो दिन के लिए ही दिया जाता है। रोग के लक्षण समाप्त होने पर भी रोगी की यह चिकित्सा कुछ दिनों तक जारी रहनी चाहिए ताकि रोग को समूल नष्ट किया जा सके। एक्यूपंक्चर के विशेषज्ञों का मानना है कि रोगी के पूर्णयता स्वस्थ्य होने पर ही यह चिकित्सा बंद करनी चाहिए।

एक्यूपंक्चर चिकित्सा के द्वारा विभिन्न रोगों का इलाज किया जाता है। आंख संबंधी रोगों के उपचार के लए यह पद्धति विशेष रूप से लाभदायक है। हमारे शरीर में उपस्थित दबाव केन्द्र, जिसे चिकित्सकीय भाषा में यूपी-67 कहते हैं, सर्वाधिक प्रभावशाली होता है। आंखों के इलाज की चिकित्सा इसी एक्यूपांइट के जरिए दी जाती है। जोड़ो का दर्द, सिर दर्द या माइग्रेन, कमर दर्द, गठिया, तनाव, स्पान्डे लाइटिस साइटिका तथा अल्सर जैसे रोगों का इलाज भी इस चिकित्सा पद्धति के द्वारा संभव है। विभिन्न मानसिक रोगों के इलाज में भी यह चिकित्सा प्रभावशाली होती है।

तो इसलिए बढ़ रही है देश में साइकिल की अहमियत

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के लगातार प्रदूषण पर चिंता जताए जाने के बाद अब यह मसला सभी के लिए चिंता का सबब बन गया है और बढ़ती गाडियों की समस्या से निपटने के लिए विदेशों की तर्ज पर देश में भी साइकिल की अहमियत बढने लगी है। राजधानी में प्रदूषण लगातार बढने के कारण एनजीटी ने दिल्ली में डीजल की दस वर्ष पुरानी गाडियों पर रोक लगा दी है।

लेकिन यह समस्या का एक अस्थाई हल है और परिवहन को आसान बनाने के लिए किसी ऐसे विकल्प की जरूरत है जिससे पर्यावरण को बचाने के साथ ही समाज को भी इसका फायदा मिल सके और ऐसे मे दोपहिया वाहन साइकिल की अहमियत पर चर्चा होने लगी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पिछले दिनों पर्यावरण से जुड़े एक समारोह को संबोधित करते हुए लोगों को साइकिल का इस्तेमाल करने की सलाह दी थी।

उन्होंने कहा कि सप्ताह में कम से कम एक दिन साइकिल का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। 21 वीं सदी में बढ़ते प्रदूषण से जहरीली होती हवा के चलते साइकिल एक बार फिर से लोगों को पसंद आनी शुरु हो गई है।

एक अनुमान के मुताबिक प्रतिवर्ष पांच करोड़ गाडियों की तुलना में 10 करोड़ साइकिल का उत्पादन हो रहा है। दुनिया में चीन,बेल्जियम,नार्वे, अमेरिका, जापान, जर्मनी,स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और हालैंड में सबसे अधिक साइकिल चलाई जाती है ।

हालैंड साइकिल के इस्तेमाल में सबसे आगे है। तेजी से विकसित हो रहे भारत में साइकिल को विकास की दौड़ में काफी पीछे छोड़ दिया गया है।

टेरी और साइकिल उत्पादक संघ के एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश में वर्ष 2001 से 2011 के बीच ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में साइकिल खरीद का प्रतिशत मात्र तीन फीसदी बढ़ा जबकि गांवों में गाड़ियों की खरीद इस दौरान 11 और शहरों में 15 फीसदी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

चीन की तुलना में भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों में साइकिल की खरीददारी और इस्तेमाल लगभग आधा है। चीन में करीब 37. 2 फीसदी लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते है।

उसके सबसे अधिक जनसंख्या वाले शहर शंघाई में साइकिल का इस्तेमाल सर्वाधिक है। भारत में पिछ्ल दशक में साइकिल रखने वालों की संख्या में मात्र एक प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। वर्ष 2011 में 45 फीसदी लोगों के पास साइकिल थी जबकि 2001 में 44 प्रतिशत लोगों के पास ही साइकिल थी।

आज भी अश्वत्थामा करता है इस मंदिर में सबसे पहले पूजा

महाभारत कालीन सयता से जुडे उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में यमुना नदी के किनारे मां काली के मंदिर से जुडे लोगों का दावा है कि आज भी मंदिर में अश्वत्थामा अदृश्य रूप में आकर सबसे पहले पूजा करता है। यह मंदिर इटावा जिला मुयालय से मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर यमुना नदी के किनारे है।

इस मंदिर का नवरात्र के मौके पर खासा महत्व हो जाता है। नवरात्र की शुरूआत हो चुकी है ऐसे में इस मंदिर में अपनी-अपनी मनोकामना को पूरा करने के इरादे से दूर दराज से भक्तगणों के आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। कभी चंबल के खूंखार डाकुओं की आस्था का केंद्र रहे महाभारत कालीन सयता से जुडे इस मंदिर से डाकुओं से इतना लगाव रहा है कि वे अपने गैंग के डाकुओं के साथ आकर पूजा अर्चना करने में पुलिस की चौकसी के बावजूद कामयाब होते थे लेकिन इस बात की पुष्टि तब हुई जब मंदिर में डाकुओं के नाम के घंटे और झंडे चढे हुए देखे गए।

शुक्रवार की रात करें यह उपाय, लक्ष्मी-कुबेर खींचे चले आएंगे आपके द्वार

पैसा खुदा तो नहीं पर खुदा से कम भी नहीं। आज के परिवेश में यह बात शत प्रतिशत खरी उतरती है। मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी समस्या हैं गरीबी अर्थात निर्धनता। धन के अभाव में मनुष्य मान-सम्मान प्रतिष्ठा से भी वंचित रहता है। ऐसा शास्त्रों में वर्णन है की व्यक्ति को दरिद्रता दूर करने हेतु मां लक्ष्मी की आराधना करनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार लक्ष्मी को चंचला कहा जाता है अर्थात जो कभी एक स्थान पर रूकती नहीं। अतः लक्ष्मी अर्थात धन को स्थायी बनाने के लिए कुछ उपाय, पूजन, आराधना, मंत्र-जाप आदि का विधान है।

ऋषि विश्वामित्र के कठोर आदेश अनुसार लक्ष्मी साधना गोपनीय एवं दुर्लभ है तथा इसे गुप्त रखना चाहिए। ऐसा शास्त्रोक्त वर्णित है के समुद्र-मंथन से पूर्व सभी देवता निर्धन और ऐश्वर्य विहीन हो गए थे तथा लक्ष्मी के प्रकट होने पर देवराज इंद्र ने महालक्ष्मी की स्तुति की, जिससे प्रसन्न होकर महालक्ष्मी ने देवराज इंद्र को वरदान दिया कि तुम्हारे द्वारा दिए गए द्वादशाक्षर मंत्र का जो व्यक्ति नियमित रूप से प्रतिदिन तीनों संध्याओं में भक्तिपूर्वक जप करेगा, वह कुबेर सदृश ऐश्वर्य युक्त हो जाएगा।

ऐसा शास्त्रों में वर्णन आता है के महालक्ष्मी के आठ स्वरुप है। लक्ष्मी जी के ये आठ स्वरुप जीवन की आधारशिला है। इन आठों स्वरूपों में लक्ष्मी जी जीवन के आठ अलग-अलग वर्गों से जुड़ी हुई हैं। इन आठ लक्ष्मी की साधना करने से मानव जीवन सफल हो जाता है। अष्ट लक्ष्मी और उनके मूल बीज मंत्र इस प्रकार है।

1. श्री आदि लक्ष्मी - ये जीवन के प्रारंभ और आयु को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - श्रीं।।

2. श्री धान्य लक्ष्मी - ये जीवन में धन और धान्य को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - श्रीं क्लीं।।

3. श्री धैर्य लक्ष्मी - ये जीवन में आत्मबल और धैर्य को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - श्रीं ह्रीं क्लीं।।

4. श्री गज लक्ष्मी - ये जीवन में स्वास्थ और बल को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - श्रीं ह्रीं क्लीं।।

5. श्री संतान लक्ष्मी - ये जीवन में परिवार और संतान को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ह्रीं श्रीं क्लीं।।

6. श्री विजय लक्ष्मी यां वीर लक्ष्मी - ये जीवन में जीत और वर्चस्व को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - क्लीं ।।

7. श्री विद्या लक्ष्मी - ये जीवन में बुद्धि और ज्ञान को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - ऐं ।।

8. श्री ऐश्वर्य लक्ष्मी - ये जीवन में प्रणय और भोग को संबोधित करती है तथा इनका मूल मंत्र है - श्रीं श्रीं।।

अष्ट लक्ष्मी साधना का उद्देश जीवन में धन के अभाव को मिटा देना है। इस साधना से भक्त कर्जे के चर्क्रव्यु से बहार आ जाता है। आयु में वृद्धि होती है। बुद्धि कुशाग्र होती है। परिवार में खुशाली आती है। समाज में सम्मान प्राप्त होता है। प्रणय और भोग का सुख मिलता है। व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होता है और जीवन में वैभव आता है।

अष्ट लक्ष्मी साधना विधिः शुक्रवार की रात तकरीबन 09ः00 बजे से 10ः30 बजे के बीच गुलाबी कपड़े पहने और गुलाबी आसान का प्रयोग करें। गुलाबी कपड़े पर श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी का चित्र स्थापित करें। किसी भी थाली में गाय के घी के 8 दीपक जलाएं। गुलाब की अगरबत्ती जलाएं। लाल फूलो की माला चढ़ाएं। मावे की बर्फी का भोग लगाएं। अष्टगंध से श्रीयंत्र और अष्ट लक्ष्मी के चित्र पर तिलक करें और कमलगट्टे हाथ में लेकर इस मंत्र का यथासंभव जाप करें।

मंत्रः ऐं ह्रीं श्रीं अष्टलक्ष्मीयै ह्रीं सिद्धये मम गृहे आगच्छागच्छ नमः स्वाहा।।

जाप पूरा होने के बाद आठों दीपक घर की आठ दिशाओं में लगा दें तथा कमलगट्टे घर की तिजोरी में स्थापित करें। इस उपाय से जीवन के आठों वर्गों में सफलता प्राप्त होगी।

भगवान श्रीराम के जन्म का महोत्सव है रामनवमी

चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। इस दिन पूरे देश भर में श्रीराम जन्मोत्सवों की धूम रहती है साथ ही हिंदुओं के लिए यह दिन अंतिम नवरात्र होने के कारण भी काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन देवी की विशिष्ट पूजा, हवन और कन्या पूजन भी किया जाता है। गोस्वामी तुलसीदास ने अपने अमर काव्य रामचरितमानस की रचना भी इसी दिन अयोध्या में आरम्भ की थी। अयोध्या नगर और रामभक्तों के लिए तो यह पर्व काफी महत्ता रखता है और इस पर्व को देश ही नहीं विदेशों में भी हिंदुओं के बीच आनंद और उल्लासपूर्वक मनाया जाता है।

पुराणों के अनुसार, भगवान श्रीराम का जन्म मध्याह्न काल में हुआ था। यही कारण है कि इस दिन तीसरे प्रहर तक व्रत रखा जाता है और दोपहर में ही मनाया जाता है राम महोत्सव। आज के दिन व्रत रखकर भगवान श्रीराम और रामचरितमानस की पूजा करनी चाहिए। भगवान श्रीराम की मूर्ति को शुद्ध पवित्र ताजे जल से स्नान कराकर नवीन वस्त्राभूषणों से सज्जित करें और फिर धूप दीप, आरती, पुष्प, पीला चंदन आदि अर्पित करते हुए भगवान की पूजा करें। रामायण में वर्णित श्रीराम जन्म कथा का श्रद्धा भक्ति पूर्वक पाठ और श्रवण तो इस दिन किया ही जाता है अनेक भक्त रामायण का अखण्ड पाठ भी करते हैं। भगवान श्रीराम को दूध, दही, घी, शहद, चीनी मिलाकर बनाया गया पंचामृत तथा भोग अर्पित किया जाता है। भगवान श्रीराम का भजन, पूजन, कीर्तन आदि करने के बाद प्रसाद को पंचामृत सहित श्रद्धालुओं में वितरित करने के बाद व्रत खोलने का विधान है।

भगवान श्रीराम सदाचार के प्रतीक हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा जाता है। भगवान राम को उनके सुख-समृद्धि पूर्ण व सदाचार युक्त शासन के लिए याद किया जाता है। उन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, जो पृथ्वी पर अजेय रावण से युद्ध लड़ने के लिए आए। आज के दिन श्रद्धालु बड़ी संख्या में मन्दिरों में जाते हैं और उनके जन्मोत्सव को मनाने के लिए उनकी मूर्तियों को पालने में झुलाते हैं। भगवान राम का जन्म स्थान अयोध्या, रामनवमी त्यौहार के अनुष्ठान का केंद्र बिन्दु है। यहां राम जन्मोत्सव से संबंधित रथ यात्राएं बहुत से मंदिरों से निकाली जाती हैं। अयोध्या का तो रामनवमी पर लगने वाला चैत्र रामनवमी मेला काफी प्रसिद्ध है जिसमें देश भर से लाखों श्रद्धालु जुटते हैं।

भगवान श्रीराम जीव मात्र के कल्याण के लिए अवतरित हुए थे। वह हिन्दू धर्म में परम पूज्य हैं। हिन्दू धर्म के कई त्यौहार जैसे रामनवमी, दशहरा और दीपावली, राम की जीवन-कथा से जुड़े हुए हैं। श्रीराम आदर्श पुत्र, आदर्श भ्राता, आदर्श पति, आदर्श मित्र, आदर्श स्वामी, आदर्श वीर, आदर्श देश सेवक होने के साथ ही साथ साक्षात परमात्मा भी थे। भगवान श्रीराम ने त्रेतायुग में देवताओं की प्रार्थना सुनकर पृथ्वी का भार हरण करने के लिए अयोध्यापति महाराज दशरथ के यहां चैत्र शुक्ल नवमी के दिन जन्म लिया और राक्षसों का वध कर त्रिलोक में अपनी कीर्ति को स्थापित किया।

व्रत कथा

राम, सीता और लक्ष्मण वन में जा रहे थे। सीता जी और लक्ष्मण को थका हुआ देखकर राम जी ने थोड़ा रुककर आराम करने का विचार किया और एक बुढ़िया के घर गए। बुढ़िया सूत कात रही थी। बुढ़िया ने उनकी आवभगत की और बैठाया, स्नान-ध्यान करवाकर भोजन करवाया। राम जी ने कहा- बुढ़िया माई, ÷पहले मेरा हंस मोती चुगाओ, तो मैं भी करूं।÷ बुढ़िया बेचारी के पास मोती कहां से आतो जोकि सूत कात कर गुजारा करती थी। अतिथि को ना कहना भी वह ठीक नहीं समझती थीं। दुविधा में पड़ गईं। अतः दिल को मजबूत कर राजा के पास पहुंच गईं और अंजली मोती देने के लिये विनती करने लगीं। राजा अचम्भे में पड़ा कि इसके पास खाने को दाने नहीं हैं और मोती उधार मांग रही है। इस स्थिति में बुढ़िया से मोती वापस प्राप्त होने का तो सवाल ही नहीं उठता। आखिर राजा ने अपने नौकरों से कहकर बुढ़िया को मोती दिला दिये।

बुढ़िया मोती लेकर घर आई, हंस को मोती चुगाए और मेहमानों की आवभगत की।

सुखी जीवन के सरल उपाय

हर व्यक्ति सुख चाहता हैं, दुःख से सभी भय खाते हैं, मनुष्य ही नहीं अन्य प्राणी भी सुख की कामना रखते हैं। खुले असमान में स्वछंद विचरण कर रहा पक्षी अपने को जितना सुखी महसूस करता हैं, उतना ही वह तब दुखी हो जाता हैं, जब वह एक पिंजरे मैं कैद हो जाता हैं, जहां तक मनुष्य कि बात हैं तो उसके सुख-दुःख के पैमाने अलग अलग हैं। लेकिन सही मायने वही मायने वही सुखी माना जायगा, जो अपने हालात से संतुष्ट हो। बहराल यंहां कुछ ऐसे आसान उपाय जो कि पिछले कई दशको से हमारे महापुरुषों ने समाज कि भलाई के लिए उपयोग किये व उसका पूर्ण रूप से सफलता पूर्वक फल प्राप्त किया। यह उपाय जीवन को और ज्यादा सुखी बनाने में सहायक हो सकते हैं।

- प्रतिदिन गरम तवे पर रोटी सेकने से पहले दूध के छींटे मारे, इससे घर में बीमारी का प्रकोप कम होगा।
- प्रत्येक वृहस्पतिवार को तुलसी के पोधे को थोडा सा दूध चढ़ा देने से घर में लक्ष्मी का वास होता हैं।
- प्रतिदिन सवेरे पानी में नमक मिला कर पोंछा लगायें, मानसिक शांति प्राप्त होगी।
- प्रतिदिन सवेरे थोडा सा दूध और पानी मिलाकर मुख्य द्वार के दोनों और डाले, सुख-शांति का अनुभव होगा।
- मुख्य द्वार के परदे के नीचे 9 घुंघरू बांध देने से घर में प्रसन्नता का वातावरण बनेगा।
- प्रतिदिन शाम को पीपल के पेढ़ को थोडा सा दूध-पानी मिलाकर चढा देने से व दीपक जलाएं तथा मनोकामना के साथ पांच परिक्रमा करें, (रविवार को छोड़ दे) शीघ्र मनोकामना पूर्ण होगी।
- प्रतिदिन सवेरे पहली रोटी गाय को, दूसरी रोटी कुत्ते को एवं तीसरी रोटी छत पर पक्षियों को डालें। इससे पितृ दोष से मुक्ति मिलती हैं। पितृ दोष के कारण प्राप्त कष्ट समाप्त हो जाते हैं।
- किसी भी शुभ महूर्त में पांच किलो साबुत नमक एक थैली में डाल कर अपने घर में ऐसी जगह पर रख दे, जंहा पर पानी नहीं लगे। यदि अपने आप पानी लग जाए तो इसे काम में नहीं ले और फेंक दे तथा नया नमक ला कर रख दे। यह घर के नकरात्मक प्रभाव को कम करता हैं एवं सकरात्मक प्रभाव को बढ़ाता हैं।

टैरोकार्ड से जानें, आज आपको ऐसा क्या करना चाहिए जिस से वो बने खास

मेष

शैक्षणिक मोर्चे पर उम्मीद से अधिक उज्वल प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। आज आप अधिक फिट और ऊर्जावान महसूस करेंगे। जो चीजें आपके मन पर भारी बोझ दे रही हैं वह जल्द ही गायब हो जाने की तैयारी में हैं। जो शादी के लायक हैं उन्हें एक उपयुक्त मैच मिल जाने की संभावना है। कोई उत्सव या अनुष्ठान घर पर किया जा सकता है। प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। एक साहसिक यात्रा सबसे शानदार साबित होगी। संभव है एक शौक को गंभीरता से लें।

वृषभ

एक उत्कृष्ट अवसर शैक्षणिक मोर्चे पर कुछ का इंतजार कर रहा है। आप में से कुछ परिवार और दोस्तों के साथ आज रोमांचक योजना बना सकते हैं। प्रेमी सकारात्मक रूप से आपकी रोमांटिक आकांक्षाओं का जवाब देगा तो एक तड़कती-भड़कती शाम के लिए स्वयं को संभालो। छुट्टी के मूड में हो सकते हैं और विदेश यात्रा के लिए रवाना हो सकते हैं। पेशेवर मोर्चे पर आपके साथ जो प्रतिबद्ध किया जाएगा वह पूरा हो जाएगा। सही तरीके से चलेंगे तो फिट और स्वस्थ रहना मुश्किल नहीं होगा।

मिथुन

किसी गोपनिय मामले में बात फैले नहीं इसलिए अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखें। आपको कोई प्रेरित कर सकता है एक छोटी लेकिन दिलचस्प यात्रा में अपने साथ चलने के लिए। अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आप कैसा खान-पान कर रहे हैं इसके लिए सावधान रहें। समय पर काम पूरा न होने के कारण कार्यालय में अतिरिक्त समय खर्च कर सकते हैं। संपत्ति की बिक्री हो सकती है। अपने प्रेमी के साथ समय बिताना संभावित है और आपको खिन्न रहने देने से बचाएगा।

कर्क

व्यवसायिक या पेशेवर लोग अपने ग्राहको की संख्या और बढ़ाने में कामयाब होंगे। दूसरों की मदद करना आपके स्वभाव में है और आपको इसका उचित फल जल्द ही मिल जाएगा। पेशेवर मोर्चे पर कुछ महत्वपूर्ण प्राप्त करने के लिए लंबे कदम उठाएं। परिवार के मोर्चे पर एक रोमांचक दिन किसी करीबी के आगमन के साथ आरंभ होगा।

सिंह

आपको एक दबाव भरे व अत्यावश्यक मामले को जल्दी ही सुलझाना होगा। इससे पहले की वो एक गले की फांस बन जाए। चिकित्सा समस्या से पीड़ित लोग पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। कुछ के लिए संकेत दिया जा रहा है की व्यायाम को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। जो लोग एक नए उद्यम के बारे में सोच रहे हैं उन लोगों के लिए पैसे से संबंधित कोई भी समस्या पैदा होने की संभावना नहीं है। वेतनभोगी व्यक्ति पेशेवर मोर्चे पर अतिरिक्त भत्तों की उम्मीद कर सकते हैं।

कन्या

जो आपसे बड़े बड़े वायदे करे उस पर आंख बंद करके भरोसा न करें। आर्थिक रूप से इतने सक्षम होंगे की एक महंगे गैजेट को खरीदने में सक्षम होंगे। एक अच्छी सलाह है कि आप एक निवेश के अवसर को जब्त कर लें, फायदे में रहेंगे। प्रेमी के साथ बाहर एक शाम व्यतित करने के संकेत हैं। नवविवाहित जोड़ों का प्यार सुदृढ़ होगा। बच्चों से घरेलू माहौल रोशन होने की संभावना है। कुछ लोग एक नए घर में शिफ्ट हो सकते हैं। स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए व्यायाम का नियमित रूप से अभ्यास करें।

तुला

अपने कैरियर के विकल्पों के बारे में आपको बिल्कुल स्पष्ट होने की आवश्यकता है। शैक्षणिक मोर्चे पर और अधिक ध्यान केंद्रित करना मुश्किल नहीं होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ के लिए एक सुखद आश्चर्य इंतजार कर रहा है। पैसा खर्च करने में आवेगी न बनें अन्यथा बाद में पछताना पड़ सकता है। डॉक्टर की सलाह परामर्श का पालन नहीं करने से इसके उलटे नतीजे या प्रभाव हो सकते हैं। घरेलु मोर्चे पर आप शांति और धीरज लाने में कामयाब होंगे। एक छोटी सी यात्रा मन के बोझ को हल्का करने और तरोताजा करने में सहायक होगी।

वृश्चिक

काम पर जल्दी चीजों के प्रवाह में आना आवश्यक होगा। आज एक अच्छा दिन है इसलिए अपने घर पर प्रियजनों को बुलाने की व्यवस्था करें। लोगों की बैठक और बाहर अन्य स्थानों पर घुमने में खुशी अनुभव करेंगे। पेशेवर मोर्चे पर जिनकी मनोवृत्ति अच्छे भाव में है उनसे अच्छे संबंध बना कर रखें। अपने सौदेबाजी कौशल से एक समझौते पर बातचीत में अपना बचाव कर सकेंगे। नियमित किया गया व्यायाम फिट रहने में मदद करेगा।

धनु

बाड़ के दूसरी तरफ घास हरियाली मिल सकती है, लेकिन यह स्थिती भ्रामक भी हो सकती है। कुछ के लिए संकेत दिया जा रहा है की सामाजिक कारणों के चलते भर्ती हो सकती है।

मकर

व्यवसायिक क्षेत्र में कोई आप में और अधिक सुधार लाने की कोशिश करेगा और आपको परेशान करेगा। किन्हीं संदिग्ध निवेशों के कारण वित्तिय स्थिती खराब हो सकती है। व्यवसायिक क्षेत्र में कुछ और जिम्मेदारियां आपका इंतजार कर रही हैं और इससे काम का बोझ और बढ़ सकता है।

कुंभ

कार्यक्षेत्र में मामलों को सुलझाने की आपकी क्षमता का आज पूर्ण साक्ष्य मिलेगा। एक नया कार्य जल्द ही लाभ में परिवर्तित होगा। शैक्षणिक क्षेत्र में कोई आपकी सहायता करने के लिए पर्याप्त समझदार होगा। वर्तमान में आप से दूर रह रहे किसी पारिवारिक सदस्य से मिलने की योजना बना सकते हैं।

मीन

एक प्रभावशाली व्यक्ति आपकी सहायता करेगा। सामाजिक रूप में सभा बुलाने का एक बेहतरीन अवसर आज खुद व खुद सामने आएगा।

लियोनी ने लांच की अपनी पहली किताब, लिखीं 12 शॉर्ट स्टोरीज

अभिनेत्री सनी लियोनी ने बॉलीवुड में अपने अभिनय से लोगों के दिलों को जीता है और अब वह लेखिका के रूप में भी अपने कैरियर में नई भूमिका निभाने को तैयार हैं। सनी ने 'स्वीट ड्रीम्स' नामक एक किताब लिखी है जिसमें 12 शॉर्ट स्टोरीज़ है। 'मस्तीजादे' की अभिनेत्री ने बताया कि लेखन की बात उनके दिमाग में कभी नहीं थी लेकिन उनके पास कुछ विचार थे जिन्हें उन्होंनें कलमबद्ध नहीं किया था।'' सनी ने मीडियो को बताया, ''मेरे दिमाग में लेखन नहीं था। मैं वर्षों से अलग-अलग कहानियों और विचारों के बारे में सोच रही थी लेकिन वास्तव में मैंने कभी कुछ लिखा नहीं। यह पहली बार है जब मैंने इस तरह का कुछ लिखा है। जब में छोटी थी तो मैं एक डायरी रखती थी, मेरी मां ने इसे पढ़ा और उसके बाद मैंने डायरी नहीं लिखी ।'' 34 वर्षीय अभिनेत्री ने बताया कि जब प्रकाशन गृह जगरनॉट बुक ने 12 शॉर्ट स्टोरीज़ के लेखन के लिए उनसे संपर्क किया तो उन्होंने इसे चुनौती के रूप में लिया और इसे तीन महीनों के भीतर पूरा किया। -

नसीरुद्दीन शाह-कल्कि कोचलिन को साथ लाती है उनकी एक जैसी तकदीर

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने एक बार फिर अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। शुक्रवार (22 अप्रैल) को रिलीज हुई फिल्म ड्ड्ढद्बह्लद्बद्दद्द के ट्रेलर में वे कल्कि कोचलिन के साथ नजर आए। दोनों कलाकार की एक जैसी तकदीर इन्हें साथ लाती है और फिर क्या होता इसी पर पूरी फिल्म की कहानी है। ट्रेलर की शुरुआत एक दृश्य से होती है जिसमें नसीरुद्दीन शाह अस्पताल में बिस्तर पर निष्क्रिय पड़ी अपनी पत्नी जो दुर्घटना में घायल हुई थी, से मिलने जाता है। उसी अस्पताल के एक कमरे में कल्कि कोचलिन बिस्तर पर लेटे अपने पति के बगल में बैठकर रो रही है। जबतक कि कोचलिन नसीरुद्दीन शाह ने नहीं मिली होती वह उसके साथ इन्ज्वॉय नहीं करती है, खाना नहीं खाती है और ना ही शॉपिंग के लिए बाहर जाती है। अपने जीवनसाथी के ठीक होने तक एक–दूसरे दर्द का इन्हें (कोचलिन और नसरुद्दीन शाह) करीब लाता है, वे आपस की खुशियां साझा करते हैं।

मनोज वाजपेयी को 'अलीगढ़' के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार

बॉलीवुड में अपने अभिनय के दम पर खास मुकाम बनाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी को फिल्म 'अलीगढ़' में उनके दमदार अभिनय के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें हंसल मेहता की फिल्म 'अलीगढ़' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स च्वॉइस) की श्रेणी में यह अवॉर्ड मिलेगा। मेहता

ने शुक्रवार रात ट्वीट कर कहा, ÷फिल्म 'अलीगढ़' में प्रोफेसर रामचंद्र सिरस के किरदार के लिए मनोज बाजपेयी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (क्रिटिक्स च्वॉइस) की श्रेणी में दादा साहब फाल्के पुरस्कार मिलेगा।÷ वहीं, मनोज ने कहा कि वह इस उपलब्धि पर बहुत ही सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने अपने प्यार और प्रशंसा के लिए सभी का धन्यवाद किया। मनोज ने ट्वीट कर कहा, ÷आपके अभूतपूर्व प्यार और प्रशंसा के लिए धन्यवाद। बहुत ही सम्मानित महसूस कर रहा हूं।÷ पुरस्कार समारोह रविवार को आयोजित होगा। मनोज की आगामी फिल्म 'ट्रैफिक' है, जो छह मई को रिलीज हो रही है। इसमें वह ट्रैफिक कांस्टेबल की भूमिका में हैं।

जारी हुआ 7 घंटे 20 मिनट का ट्रेलर

साल 2020 में एक ऐसी हॉलीवुड फिल्म आ रही है, जिसका पहला शॉट ट्रेलर 7 घंटे 20 मिनट का है। पूरी फिल्म 1 महीने में खत्म होगी। फिल्म के निर्देशक स्वीडन के है और फिल्म का नाम 'एंबीयंस' है, जिसका दूसरा ट्रेलर 2018 में जारी किया जाएगा। ऐसा दावा किया जा रहा है कि फिल्म की कुल अवधि 720 घंटे की होगी यानी यह फिल्म पूरे एक महीने तक चलेगी। फिल्म की कहानी दो परफॉर्मेंस आर्टिस्टों के संबंधों पर आधारित है, जो दक्षिणी स्वीडन में समंदर किनारे मिलते हैं और वहीं पर पूरी फिल्म बन जाती है। बताया जा रहा है कि फिल्म सिंगल शॉट में तैयार की गई है और इसमें कोई भी कट नहीं होगा। यानी इसे शूट करना आसान काम नहीं होगा। फिलहाल फिल्म के 31 दिसंबर 2020 को रिलीज होने की उम्मीद है। इस फिल्म का पहला टीजर 2014 में आया था, जो 72 मिनट का था। उसके बाद इसी साल 2016 में इसका पहला शॉट ट्रेलर 19 अप्रैल को लॉन्च किया गया। 2018 में इसका दूसरा शॉट ट्रेलर लॉन्च किया जाएगा, जो लगभग 72 घंटे का होगा। ऐसा बताया जा रहा है कि इस फिल्म का तीसरा ट्रेलर 2020 में आएगा और इसी साल फिल्म रिलीज होगी।

कपिल दा जवाब नहीं

कपिल शर्मा का छोटे परदे के अपने शो से हट जाना शनिवार और रविवार की शाम को बेजान बना गया। ऊपर से उनके शो की जगह जो शो कलर्स ने कृष्णा के हवाले किया वह न केवल बेहूदा बल्कि फूहड़ ही साबित हो रहा है। कृष्णा संग जितने कलाकार हैं वे कॉमेडी के नाम पर अश्लीलता अधिक फैलाते नजर आते हैं। उनकी कॉमेडी का मतलब ही सेंसलेस हो जाना है। कपिल के फैन्स की ओर से सोशल मीडिया पर कॉमेडी नाइट्स लाइव शो की जमकर आलोचना हो रही है। इस शो को हिट बनाने की जुगत में शो की कास्ट कृष्णा अभिषेक, भारती सिंह, सुदेश लहरी और सिद्धार्थ सागर जी जान से जुटे नजर आ रहे हैं। लेकिन फिर भी कपिल की कॉमेडी के मुकाबले वे फीके ही नजर आ रहे हैं। किन्तु कपिल की कॉमेडी टाइमिंग और सेंसिबल रहा करती है। यही वजह है कि कपिल कॉमेडी के नाम पर मशहूर हो गए तथा उन्हें लेकर बॉलीवुड भी गंभीर हो गया है। कपिल की काबिलियत और उनका स्टारडम देखते हुए सोनी अब एक नया कार्यक्रम ला रहा है। कपिल इस कार्यक्रम के जरिये एकबार फिर अपने चाहने वालों के सामने होंगे।

कपिल शर्मा का नया शो 'द कपिल शर्मा शो' 23 अप्रैल से सोनी टीवी पर ऑन एयर हो गया है। इस शो के जरिये कपिल कॉमेडी में कुछ नया तड़का लगा रहे हैं और इस तड़के में उनका साथ निभा रहे हैं सुनील ग्रोवर जो गुत्थी के नाम से मशहूर हुए थे। शो में दादी का कैरेक्टर प्ले कर रहे असगर अली ने बयान दिया था कि वह केवल कपिल के लिए दादी बनेंगे और किसी के लिए नहीं। शो बंद होने के बाद कपिल ने कहा था कि चैनल के ऊपर इस बात का दबाव रहता है कि वह हिट शो दें, लेकिन जमे-जमाए शो को डिस्टर्ब नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि नया शो लांच करना अच्छी बात है, लेकिन एक ही तरह के कन्टेंट नहीं होने चाहिए। चैनल चला रहे लोगों का सम्मान करता हूं, पर मुझे भीड़ का हिस्सा बनना कतई मंजूर नहीं है। इसलिए इस शो को यहां से रैपअप कर लिया। गौरतलब हो कि कपिल का शो जनवरी के महीने बंद हो गया था जिसके वजह से उनके फैंस काफी निराश हो गए थे।

कुछ यूं बदली–बदली दिखेंगी आपकी नई अंगूरी भाभी

शहूर टीवी सीरियल 'भाभी जी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभा रहीं टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे की जगह अब शुभांगी अत्रे ने ली है।

शो के प्रोड्यूसर बेनफेर कोहली का कहना है कि वह एक अच्छी अभिनेत्री हैं और अंगूरी भाभी के किरदार में आसानी से सभी का दिल जीत लेंगी।

शुभांगी अत्रे इंदौर, मध्यप्रदेश की रहने वाली है। वह पीयूष पुरी के साथ शादी के बंधन में बंधी चुकी हैं और उनकी एक बेटी भी हैं। शुभांगी को असली पहचान उनके सीरियल 'कस्तूरी' और 'दो हंसों का जोड़ा' से मिली।

आपको जानकर हैरानी होगी कि यह पहली बार नहीं है जब शुभांगी ने शिल्पा शिंदे को रिप्लेस किया है। इससे पहले सब टीवी पर आने वाले सीरियल 'चिड़ीया घर' में भी शुभांगी शिल्पा को रिप्लेस कर चुकी हैं। अंगूरी भाभी के इस किरदार को पाने के लिए शुभांगी ने शुभांगी ने 80 लोगों को ऑडिशन में पछाड़ा है।

ऋतिक का कंगना से कोई संबंध नहीं

अभिनेता ऋतिक रोशन और उनके वकीलों को देखकर ऐसा नहीं लग रहा कि वह कंगना रनौत के साथ जारी विवादस्पद लड़ाई से पीछे हटने के विचार में हैं। ऋतिक के वकीलों का कहना है कि वह इसे साबित करके रहेंगे कि उनके मुवक्किल का अभिनेत्री के साथ कोई रिश्ता नहीं रहा है। ऋतिक के वकीलों ने बताया, तथ्यों को अधिकारियों के सामने पेश कर दिया गया है। हम यह साबित कर देंगे कि हमारे मुवक्किल ऋतिक का कंगना के साथ कोई रिश्ता नहीं रहा है। हमने जांच अधिकारियों को इस मामले में पुख्ता सबूत दिए हैं। उन्होंने कहा, हमें नोटिस भेजने वाले खेल में रुचि नहीं है। हम केवल सही तथ्यों को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं। जल्द ही तथ्य सबके सामने होंगे। हम एक बात फिर याद दिलाना चाहते हैं कि यह मामला किसी पुरुष और स्त्री के बारे में नहीं, शक्तिशाली और कमजोर के बारे में नहीं, बल्कि सच और झूठ के बारे में है। ऋतिक के वकीलों का यह बयान कंगना के वकील रिजवान सिद्दीकी द्वारा गुरुवार शाम को जारी किए एक बयान की प्रतिक्रिया में आया है।

Laal Rang Movie Review

रणदीप हुड्डा का दमदार अभिनय

फिल्म में केवल आपको खून देखने को मिलेगा। ब्लड बैंक, डोनर्स और चोर, लालची तस्करों पर बनी इस मूवी में आपको लाल रंग दिखेगा, आप इससे दूर नहीं जा सकते। कहानी हरियाणा के करनाल की है, जहां शंकर(रणदीप हुड्डा) गैर कानूनी रूप से खून की सप्लाई करने का काम करते हैं। हुड्डा मूवी में हरियाणवी उच्चारण के साथ बोलते हुए नजर आते हैं। हरियाणा के रहने वाले हुड्डा ने हरियाणवी युवक की भूमिका अच्छे से निभाई है। हुड्डा के इस काम में राजेश (अक्षय ओबेराय) भी जुड़ जाते हैं। यह गैंग उन लोगों की है डिमांड ज्यादा होने और सप्लाई कम होने पर पैसों के लिए खून का इंतजाम कहीं से भी कर देती है। राजेश एक छात्र हैं, जो कि एक छात्र हैं और वे पूनम(पिया बाजपेयी) नाम की छात्रा से प्रेम करते हैं। पूनम का अंग्रेजी का बोलने का अलग ही अंदाज है। मूवी में अन्य कलाकार भी अच्छे से भूमिका निभाते नजर आए हैं। फिल्म में एक किरदार है साधु, जिसका दो घंटे तक हरियाणवी उच्चारण सुनकर आपके कान पक जाएंगे। अस्पताल प्रशासन में इंचार्ज की भूमिका में एक सुंदर लड़की वहां से खून चुराने का काम करती है, इस लड़की की वजह से ही यह पूरी गैंग चलती है। फिल्म रियल लाइफ की दो घटनाओं पर आधारित है, लेकिन देखने पर पता नहीं चलता। फिल्म में इन घटनाओं की कोई छाप नजर नहीं आती है। शुरुआत में हम जिन लोगों को जिंदगी बचाने वाले मानते हैं, उनकी भयावह छवि देखने को मिलेगी। उन्हें केवल अपनी जेब भरने से मतलब है। मूवी में एक पुलिस अधिकारी(रजनीश दुग्गल) की एंट्री होती है। इसके बाद पुलिस अधिकारी और शंकर के बीच चूहे-बिल्ली का खेल चलता है। हर बार की तरह हुड्डा ने इस मूवी में भी अच्छा काम किया है। वे अपने करियर की शुरुआत से ही एक जैसे किरदार निभाते आ रहे हैं और इस मूवी में भी उन्होंने अपनी छवि नहीं तोड़ी है। निर्देशक- सैयद अहमद अफजल कलाकार-रणदीप हुड्डा, अक्षय ऑबराय, पिया बाजपेयी, रजनीश दुग्गल